● जयपुर, सोमवार, 8 जुलाई 24● वर्ष 13 ● अंक 310 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई...
पेज @4 स्प्रिचुअल वॉक : मंदिरों की संस्कृति की तरफ लौटने का आह्वान...
पेज @8 » ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश जयपुर की जानिब से...

सीएमओ राजस्थान से तेजी से जुड़ रहे लोग
फैसले दमदार, काम असरदार कैंपन यूजर्स को आ रहा पसंद

छह माह में ही सोशल मीडिया पर छा गई भजनलाल सरकार

देश में तीसरा स्थान

जयपुर/एजेंसी।

धोरा रां धरती अब तकनीक और सोशल मीडिया के मामले में देश में तीसरे स्थान पर चल रही है। देश के दूसरे राज्यों को पछाड़ते हुए राजस्थान सरकार सीएमओ के एक्स के अकाउंट पर फोलोअर्स की संख्या 2.5 मिलियन है। खास बात यह है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद राजस्थान सरकार और सीएमओ के एक्स अकाउंट पर फोलोअर्स की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार आने के बाद चलाए गए सोशल मीडिया कैम्पेन -फैसले दमदार, काम असरदार को खासा पसंद किया जा रहा है। यह भी एक प्रमुख कारण है कि सोशल मीडिया पर फोलोअर्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

● इन राज्यों से आगे है राजस्थान

उत्तर प्रदेश- 57,28,027
महाराष्ट्र- 39,52,105
राजस्थान- 25,70,361
मध्यप्रदेश- 20,72,898
हरियाणा- 12,54,432
छत्तीसगढ़- 6,22,299
गुजरात- 12,48,575
दिल्ली- 9,94,462
हिमाचल - 1,44,094
बिहार - 4,40,098

कई राज्यों को पछाड़ा, जल्द बनेगा नम्बर वन

नई सरकार पर जताया भरोसा

दिसंबर में नई सरकार के गठन के बाद सीएमओ राजस्थान के एक्स अकाउंट पर फोलोअर्स की संख्या काफी बढ़ गई है। दिसंबर 2023 में जहां 2.2 मिलियन थी, वहीं सरकार के तेजी से किए गए कार्यों व रणनीति के चलते यह जून 2024 तक बढ़कर 2.5 मिलियन हो गई। तेजी से बढ़ते फोलोअर्स चर्चा का विषय बन गए हैं।

कई प्रदेशों से हैं हम आगे

पिछले कुछ सालों में राजस्थान सरकार के सोशल मीडिया अकाउंट्स ने फॉलोअर्स के मामले में अच्छी प्रगति की है। इसके अलावा सीएमओ राजस्थान दूसरे प्रदेशों के सीएमओ के एक्स अकाउंट्स के मुकाबले कहीं आगे हैं। मध्यप्रदेश, हरियाणा, गुजरात, दिल्ली, केरल, झारखंड, बिहार, तमिलनाडु जैसे कई प्रदेशों से आगे है।

तेजी से बढ़ रहे हैं फॉलोअर्स

एक्स पर सीएमओ देश में टॉप थ्री में हैं। एक अप्रेल 2020 को एक्स हैंडल पर फोलोअर्स की संख्या 392 द्म (हजार) थी। वहीं साल दर साल यह संख्या बढ×कर 2.5 मिलियन हो गई है। यह बढ़ोतरी 505 फीसदी के आस पास है। साल दर साल अगर यह बढ़ोतरी होती रही तो आने वाले कुछ सालों में राजस्थान बाकी प्रदेशों से भी आगे हो जाएगा और नम्बर वन बन जाएगा।

फैसले दमदार, काम असरदार कैंपन यूजर्स को आ रहा पसंद

इसके अतिरिक्त गर्वैनमेंट ऑफ राजस्थान के सोशल मीडिया अकाउंट पर फैसले दमदार, काम असरदार नाम से एक विशेष कैंपेन चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राज्य की जनता को सरकार की विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों के बारे में जागरूक करना है। इस कैंपेन को भी यूज़र्स पसंद कर रहे हैं।

असम में बाढ़ ने मचाई तबाही

अब तक 62 लोगों की मौत

24 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

गुवाहाटी/एजेंसी।

पूर्वोत्तर के राज्यों में इनदिनों भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. वहीं भारी बारिश के बाद असम में बाढ़ आ गई है. जिसके चलते राज्य में कई लोगों की मौत हो गई है. वहीं 24 लाख से ज्यादा लोग इस बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से बात की साथ ही मदद का भरोसा दिलाया. शाह लोगों को विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं. गृह मंत्री शाह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाढ़ प्रभावित राज्य को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट किया. गृह मंत्री ने लिखा, भारी बारिश के कारण, असम में

● गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम से की बात

बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, मौजूदा स्थिति के बारे में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से बीत की. एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं और पीड़ितों को राहत पहुंचा रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हुए हैं, और इस चुनौतीपूर्ण समय में राज्य को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. बता दें मानसून आने के बाद पूर्वोत्तर के साथ असम में भी भारी बारिश का दौर जारी है. जिसके चलते असम में बाढ़ आ गई है. इस बाढ़ में कई लोगों की मौत हो चुकी है. जबकि बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ है. कई सड×कें बंद हो गईं हैं और हजारों एकड़ फसल नष्ट हो गई है. इस बाढ़ में पशुधन की भी हानि हुई है.

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा शुरू, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/एजेंसी।

ओडिशा के पुरी में होने वाली भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत तमाम दिग्गजों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया के जरिए देश की समृद्धि की प्रार्थना की है। उन्होंने लिखा है, भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। आज देश-दुनिया के अनगिनत जगन्नाथ-प्रेमी रथ पर विराजमान तीनों भगवत्स्वरूपों के दर्शन हेतु उत्साह-पूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस महापर्व के अवसर पर महाप्रभु श्री जगन्नाथ से मैं सभी के सुख, शांति और समृद्धि हेतु प्रार्थना करती हूं। जय जगन्नाथ!

उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी श्री जगन्नाथ यात्रा को दिव्य बताया है। लिखा है, श्री जगन्नाथ यात्रा के शुभ अवसर पर मेरी शुभकामनाएँ! श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का गहरा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है, जो प्राचीन भारतीय परंपराओं में निहित है, जो भक्ति, एकता और समृद्ध विरासत को दर्शाती है। जैसा कि हम इस पवित्र अवसर का जश्न मनाते हैं, भगवान जगन्नाथ की दिव्य यात्रा हमारे लिए स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक संतुष्टि लाए।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान की कृपा बने रहने की प्रार्थना की है। सोशल पोस्ट में लिखा है, पवित्र रथ यात्रा की शुरुआत पर शुभकामनाएँ। हम महाप्रभु जगन्नाथ को नमन करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनकी कृपा हम पर सदैव बनी रहे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस शुभ अवसर पर अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर की मंगला आरती में शामिल हुए। उन्होंने भी रथ यात्रा को भारतीय सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का पुण्य अवसर बताया।

अमित शाह ने कहा, महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा भारतीय सांस्कृतिक विरासत व समृद्धि को सहेजने और नया उत्कर्ष प्रदान करने का पुण्य अवसर है, जिसे देश के करोड़ों श्रद्धालु अत्यंत भक्तिभाव से मनाते हैं। यह यात्रा प्रतीक है कि भारतीय संस्कृति प्रवृत्ति से ही चलायमान है और उत्सव व अध्यात्म इसके धुरी हैं। मैं सभी देशवासियों को महाप्रभु की रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और महाप्रभु जगन्नाथ, वीर बलभद्र व माता सुभद्रा से सभी के कल्याण व उन्नति की कामना करता हूँ। जय जगन्नाथ!

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी समृद्धि की कामना करते हुए एक्स पर भावनाएं व्यक्त की हैं। लिखा है, रथयात्रा के शुभारम्भ के शुभ अवसर पर शुभकामनाएँ। भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद हमारे जीवन को स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि से भर दे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी पावन अवसर पर सुख सौभाग्य की कामना की है। अपने ट्वीट में नड्डा ने लिखा है, आज महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आज का यह पावन अवसर हमारी आस्था, संस्कृति व विरासत को सहजने और उत्कर्ष प्रदान करने का है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि भगवान बलभद्र, माँ सुभद्रा और महाप्रभु जगन्नाथ जी सभी के जीवन को सुख-सौभाग्य और समृद्धि से परिपूर्ण करें। समग्र सृष्टि में नवीन उत्साह और उमंग का सृजन हो।

इनके अलावा विभिन्न राज्यों में भी अलग अलग तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बंगाल के मुख्यमंत्री इन समारोहों में शामिल हो रहे हैं।

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी एक्स के जरिए बंगाल के जगन्नाथ धाम के बारे में बताया है। उन्होंने लिखा है, आज रथ यात्रा के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह दिन सभी के लिए शांति, सौहार्द और समृद्धि लाए। आज पूरे बंगाल में लाखों लोग रथ उत्सव में शामिल होंगे। ऐतिहासिक महेश में (जहां हमने विरासत मंदिर का जीर्णोद्धार किया है), वहां एक विशाल सभा होगी; इस्कॉन कोलकाता में, मैं भगवान की यात्रा का हिस्सा बनूंगी। हम सभी दीघा के अपने नए जगन्नाथ धाम में अगले साल की रथ यात्रा का इंतजार करेंगे! जय जगन्नाथ!

मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज उज्जैन के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। वहीं गुजरात के सीएम भूपेंद्रभाई पटेल ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं।

उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड महाराष्ट्र में रेलवे ट्रैक पर भरा पानी

● तबाही लेकर आया मानसून

नईदिल्ली/एजेंसी। मानसून आने के बाद जहां लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत की सांस ली है तो वहीं कई राज्यों में मानसून ने तलाबी मचाना शूरू कर दी है. जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है. वहीं पूर्वोत्तर में भी मानसून ने इस बार भारी तबाही मचाई है. पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते गढ़वाल डिवीजन में चार धाम यात्रा को रविवार को रोक दिया गया है. वहीं बद्रीनाथ-विष्णु प्रयाग नेशनल हाईवे के पास भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हुआ है. जिसके चलते सड़क बंद हो गई है और दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है.

देवघर में तीन मंजिला इमारत हुई जमींदोज, मलबे में दबे कई लोग-रेस्कयू जारी, सूरत हादसे में अब तक 7 की मौत

देवघर/एजेंसी।

गुजरात के सूरत के बाद अब झारखंड के देवघर में एक तीन मंजिला बिल्डिंग गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही तत्काल एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। मलबे से 3 लोगों को बाहर निकाला गया है। इन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में कुछ और लोगों के फंसे

होने की आशंका है। रेस्क्यू कार्य जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे, देवघर के उपायुक्त, एसपी समेत जिले के कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारी राहत और बचाव कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शहर के सीता होटल के समीप यह तीन मंजिला इमारत था।स्थानीय लोगों ने बताया कि बिल्डिंग तेज धमाके के साथ अचानक गिरी। फिर वातावरण में चारों ओर धूल ही धूल दिखाई देने लगा। लोग भागे-भागे मौके पर पहुंचे।

कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों का आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब, कुलगाम में 6 दहशतगर्दों को उतारा मौत के घाट

श्रीनगर/एजेंसी।

कश्मीर घाटी में इनदिनों सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है. शनिवार को कुलगाम जिले में शुरू हुए दो एनकाउंटर में सेना के जवानों ने अब तक छह आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया है. जबकि सेना के दो जवान शहीद भी हुए हैं. अधिकारियों के मुताबिक, ये

● सेना के दो जवान भी शहीद

मुठभेड़ शनिवार दोपहर कुलगाम के मोदरगाम और चिनिगाम गांवों में शुरू हुई थी. मारे गए इन 6 आतंकवादियों में से दो मदारगाम में मारे गए हैं जबकि बाकी चार आतंकियों को चिनिगाम में मार गिराया है.

अधिकारियों के मुताबिक, कुलगाम के मोदरगाम में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी. इस पर सुरक्षा बलों ने तुरंत एक्शन लिया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया. इसके अलावा चिनिगाम फ्रिसल में एक और आतंकवादी के छिपे होने की संभावना पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया. इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चला दी.

लेकिन राहुल गांधी ने मर्यादा तोड़ दी

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिन्दुओं को हिंसक कहा है। इस वक्तव्य पर अखिल भारतीय प्रतिक्रिया हो रही है। नेता प्रतिपक्ष से सदन की मर्यादा और अतिरिक्त शालीन व्यवहार की अपेक्षा रहती है। लेकिन राहुल ने मर्यादा तोड़ दी। वे प्रधानमंत्री को संसदीय परंपरा के अनुसार माननीय नहीं कहते। वे उन्हें 'नरेंद्र मोदी' कहते हैं। वे संभवतः यह बात भी नहीं जानते कि संसदीय व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष का पद बेहद सम्माननीय होता है। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में वह 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है।

कमाल है कि वे भारतीय उपमहाद्वीप के अभिजनों की विश्ववरेण्य हिन्दू संस्कृति से अपरिचित हैं। हिन्दू उन्हें हिंसक दिखाई पड़ते हैं। हिन्दू समाज व्यवस्था का मूलभूत तत्व लोककल्याण है। हिन्दू भारत की प्रकृति और संस्कृति के संवाहक हैं। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। हिन्दू जीवनशैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। हिन्दुत्व समग्र दार्शनिक अनुभूति है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दू तत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। हिंसक हिन्दुत्व राहुल ने जोड़ा है। अंग्रेजी भाषांतर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है। लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। आस्तिकता हिन्दू जीवन की मूल प्रकृति है। हिन्दू होना परिपूर्ण लोकतंत्री होना है। हिन्दू सभी विचारों का आदर करते हैं।

हिन्दू धर्म वैदिक धर्म का विकास है। हिन्दू होना भारतीय जीवन शैली है। इस्लाम और ईसाईयत पंथ हैं। वे भारत के बाहर विकसित हुए। भारत में उनका परिचय हिन्दू धर्म से हुआ। हिन्दुओं के लिए भी इस्लाम व ईसाईयत सर्वथा नए विश्वास थे। भारतीय जनता का एक हिस्सा इस्लाम व ईसाईयत को भी धर्म कहता है। लेकिन हिन्दू धर्म ईसाईयत या इस्लामी पंथिक विश्वास जैसा नहीं है। ईसाईयत और इस्लाम में एक ईश्वर, एक देवदूत या पैगम्बर और एक पवित्र पुस्तक के प्रति विश्वास की धारणा है। हिन्दू धर्म किसी एक पवित्र पुस्तक या देवदूत से बंधा नहीं है। कुछ विद्वान भारत में सभी धर्मों में समन्वय की बातें करते हैं। वे इस्लाम और ईसाईयत को भी धर्म कहते हैं। सच यह नहीं है। पंथ, मत, मजहब और रिलीजन अनेक हैं। धर्म एक है। इसे सनातन धर्म भी कहते हैं। इसे वैदिक धर्म भी कहते हैं। भारत में धर्म और धार्मिक विकास की यात्रा मजेदार है। यहां दर्शन और वैज्ञानिक विवेक का जन्म पहले हुआ और धर्म संहिता का विकास बाद में। जिज्ञासा और प्रश्नाकुलता हिन्दू दर्शन की विशेषता है। यहां साधारण हिन्दू भी आस्था पर प्रश्न करते हैं और संवाद भी। प्रश्नाकुलता और उदारता हिन्दू समाज की बड़ी पूंजी है। सबके प्रति बंधुभाव हिन्दू की प्रकृति है। ऐसा उदार हिन्दू समाज हिंसक नहीं हो सकता।

हिन्दू विचार में प्रकृति शाश्वत है। प्राकृतिक नियम शाश्वत होते हैं। प्रकृति सुंदर है। आनंदरस से भरी पूरी है। यह सत्य है। शिव है। कल्याणकारी है। इसी शिव और सुंदर का संवर्द्धन हम सबका कर्तव्य है। यह प्रतिपल सृजनशील है। नया आता है। अरुण होता है। तरुण होता है। गृह नक्षत्र सुनिश्चित नियम में गतिशील रहते हैं। प्रकृति के गोचर प्रपंचों में हिंसा नहीं है। वैदिक पूर्वजों ने प्रकृति के संविधान को 'ऋत्' कहा है। ऋत् वैज्ञानिक अनुभूति है और हिन्दू प्रतीति है। हिन्दू दृष्टि में प्रकृति की शक्तियां उपास्य हैं। इंद्र, अग्नि, पृथ्वी, पर्जन्य, मरुत, रूद्र आदि अनेक वैदिक देवता हैं। वरुण देवता प्राकृतिक नियमों के संरक्षक-ऋताव हैं। हिन्दू विश्वास में देवता भी नियम पालन करते हैं। मरुत वायुदेव भी नियमानुसार गतिशील ऋजाता हैं (ऋ03-15-11)। हिन्दू आस्तिकता में किसी भी शक्तिशाली मनुष्य या देवता को नियम पालन न करने की छूट नहीं है। ऋत के संरक्षक शक्तिशाली वरुण को भी नहीं।

ऋग्वेद के अनुसार धरती और आकाश वरुण के नियम से धारण किए गए हैं-वरुणस्य धर्मणा (6-70-1)। ऐसे अनुभवजन्य विश्वास में हिंसा की जगह नहीं है। प्राकृतिक नियमों का धारण करना धर्म है। बताते हैं कि शक्तिशाली वरुण ने सूर्य का मार्ग निर्धारित किया है। यह है ऋतु नियम। सूर्य ने यह नियम पालन किया। यह हुआ सूर्य का धर्म। वैदिक काल के बाद ऋत् और धर्म एक ही अर्थ में कहे जाने लगे। ऋत मार्गदर्शी है। इसके अनुसार कर्म करना धर्म है। धर्मानुसार कर्म में हिंसा नहीं। विष्णु बड़े देवता हैं। उन्होंने तीन पग चलके पूरी धरती नाप ली। ऋग्वेद के अनुसार वे धर्म धारण करते हुए तीन पग चले। सूर्य, सविता देवता हैं। वे भी द्युलोक, अंतरिक्ष और पृथ्वी को धर्मानुसार प्रकाश से भरते हैं। (4-53-3) प्रजापति सत्यधर्मा हैं (10-121-9) सूर्य भी सत्यधर्मा हैं। प्रकृति की सभी शक्तियां ऋतबद्ध धर्म आचरण करती हैं। इसलिए हिन्दुओं का आचरण भी नियमबद्ध होता है। सुख आनंद का आधार सत्य है। सत्य नित्य है। सत्य बोलना धर्म है। वैदिक काल से ही झूठ के लिए 'अनृत' शब्द प्रयुक्त होता रहा है। ऋत सत्य है। अनृत झूठ है। पूर्वजों ने मानव समाज के लिए नियमों का विकास किया। देशकाल के अनुसार इसमें नया जुड़ता रहा है। काल बाह्य छूटता रहा है। इसी आचार संहिता का नाम धर्म पड़ा। हिन्दू धर्म सतत विकासशील है। हिन्दू ईश्वर को भी मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं। बृहदारण्यक उपनिषद् (2-5-11) में कहते हैं, "धर्म सभी भूतों का मधु है। समस्त भूत इस धर्म के मधु हैं।" इसी मधु का नाम हिन्दुत्व है। हिन्दू मन स्वाभाविक ही उदार है।

दर्शन और वैज्ञानिक विवेक से हिन्दुओं ने विश्ववरेण्य संस्कृति का विकास किया। इसका ध्येय विश्व का लोकमंगल रहा है। हिन्दू धर्म जगत की व्यवस्था को बनाए रखने की आचार संहिता है। धर्म का संवर्द्धन और पालन प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है। हिन्दू मन पूरे विश्व को परिवार मानता है। प्रकृति के अंश हैं हम सब। प्रकृति में रहते हैं। इसी के अंगभूत घटक हैं। प्रकृति से हमारे व्यवहार की आत्मीयता भी हिन्दुत्व है। हिन्दू सम्पूर्ण अस्तित्व के प्रति सत्यनिष्ठ हैं। कठोपनिषद् में नचिकेता और यम के बीच प्रश्नोत्तर हैं। नचिकेता ने यम से पूछा, "जो धर्म से पृथक हैं, अधर्म से पृथक हैं, भूत भविष्य से भी पृथक हैं, कृपा कर के आप मुझे वही बताइए।" यहां दिक्काल से परे किसी अमृत तत्व की जिज्ञासा है। हिन्दू दिक्काल से परे भी सोचते रहे हैं। धर्म राष्ट्रजीवन की आचार संहिता है। इस आचार संहिता का विकास हजारों वर्ष की साधना से हुआ है। नचिकेता धर्म अधर्म और देशकाल-भूत भविष्य से परे सम्पूर्ण सत्य का जिज्ञासु है।

आप कब शुरू करेंगे छोटे और मोटे अनाज का भोजन

आरके सिन्हा

कुछ ही दिन पहले हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के त्रिवेणी संगम पर स्थित कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद परिसर के विशाल सभागार में आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित 'इंटरनेशनल आयुष समिट' का तीन दिवसीय आयोजन हुआ था, जिसका 'की नोट स्पीच' मैंने दिया था और समारोह का उद्घाटन केरल के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहमम्द खान साहब ने किया। मेरा पूरा व्याख्यान रोगों से बचाव में छोटे और मोटे अनाज यानि मिलेट्स की उपयोगिता को लेकर ही था। मैंने उपस्थित सैकड़ों डॉक्टरों और विभिन्न मेडिकल कॉलेज के छात्रों से यही कहा कि आप अच्छे डॉक्टर मात्र बड़ी कम्पनियों की अच्छी और महंगी दवाइयां लिखने भर से नहीं कहे जायेंगे, बल्कि, अच्छे डॉक्टर बनने के लिए आपको अपने मरीजों को यह भी बताना होगा कि वे जिस रोग से ग्रसित हैं, वे रोग उन्हें हुये क्यों और उससे बचा कैसे जा सकता है। यदि डॉक्टर रोगों की प्रतिरोधक क्षमता तैयार करने वाले छोटे और मोटे अनाजों के गुणों को ठीक से समझ लें तो उनका, उनके मरीजों का और पूरे समाज को भारी फायदा होगा। छोटे और मोटे अनाज सिर्फ प्रोटीन और फाइबर ही नहीं देते बल्कि, खाने वाले को शरीर में उत्पन्न हो रहे रोगों का निदान भी करते हैं क्योंकि, मोटे और खासकर छोटे अनाज के फाइबर (रेशे) मानव शरीर की सभी प्रमुख अंगों के कोशिकाओं या सेल्स को साफ भी करते हैं। यदि आप हाल के दिनों में दिल्ली गए हों तो देखेंगे कि राजधानी दिल्ली में भारत सरकार के बहुत से बड़े-बड़े दफ्तर निर्माण भवन,शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन आदि भवनों से चलते हैं। जाहिर है, जहां पर हजारों मुलाजिम काम करेंगे और रोज़ सैकड़ों बाहरी लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा, वहां पर कैंटीन तो होगी ही। पर निर्माण भवनकी कैंटीन ने अपने को बदला है। वहां पर अब मोटे और छोटे अनाज से तैयार होने वाले पकवान भीपरोसी जाने लगी हैं। हालांकि पिछले सात दशकों से यहाँ मात्र गेहूं और मैदे की बनी पकवानें ही मिला करतीथीं। यह एक तरह से यह वर्तमान मोदी सरकार की संकल्प शक्ति और दृढ़ इच्छा का ठोस संकेत है कि चालू वर्ष 2023 को चूँकि विश्व स्तर परअंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया जिसने मोटे और छोटे अनाज के प्रति जागृति पैदा कीक अतः खान-पान में एक व्यावहारिक बदलाव की शुरुआत हुई और कोशिश यही रही कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष नाम भर का नहीं रह जाये। इसका प्रस्ताव भारत नेही दिया था और भारत के इस प्रस्तावको संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 मार्च 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी थी। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे और छोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना ही था।

दरअसल मोटे और छोटे अनाजों में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ताआदि से भरपूर इन अनाजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), मक्का, जौ, कोदो, सामा, सांवा, कंगनी, कुटकी चीना आदि जिसे लघु घान्य या 'श्री धान्य' या 'श्री अन्न' भी कहा जाता है, मोटे और छोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं.लघु धान्य या कुटकी, कांगनी और साँवा जैसेअनाज मिलेट्स यानी छोटे अनाज होते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलतीहै,कैल्शियम की कमी से बचाव होता है, ज्यादा फाइबर होने से पाचन दुरुस्त रहता है,वजन कंट्रोल होने लगताहै, दुबले-पतलों का वजन कुछ बढ़ जाता है तो ज्यादा वजन वालों का घट कर बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) के स्तर पर घट जाता है कएनीमिया का खतरा कम होता है, यह डायबिटीज तथा दिल के रोगियों के लिए भी यह उत्तममाना जाता है।

जब इन दोनों रोगों की चपेट में लगातार लोग आ रहे हैं तब छोटे और मोटे अनाज कासेवन संजीवनी बूटी का काम कर सकता है। शादियों के सीजन में तो हर रोज भारी संख्या में विवाह हो रहे हैं। आपको भी विवाह समारोहों में भाग लेने के निमंत्रण मिल ही रहे होंगे।अगर विवाह के कार्यक्रमों में भी छोटे और मोटे अनाज से तैयार कुछ व्यंजन अतिथियों को परोसे जाएं, तोयह एक शानदार पहल होगी। आखिर हम कब तक वही खाएंगे, जो खाते चले आ रहे हैं और बीमार पड़ते चले जा रहे हैं। आज विश्व भर में सारी बीमारियों की जड़ गेहूं है। मैं सलाह देता हूँ कि पाठक गूगल पर सर्च करके एक पुस्तक 'वीट बेली' यानि 'गेहूं की तोंद' नामक पुस्तक को डाउनलोड कर लें जिसने पूरे अमेरिका और यूरोप में तहलका मचाया हुआ है। 'वीट बेली' अमरीकी वैज्ञानिकों द्वारा शोध के उपरांत तैयार एक ऐसी पुस्तक है जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि गेहूं में पाया जाने वाला 'ग्लूटेन' नाम का रसायन डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मानसिक बीमारियों के साथ-साथ मोटापे की भी मुख्य वजह है। गेहूं छोड़िये और वजन घटाइए। अभी हम जिस गेहूं से पका हुआ भोजन कर रहे हैं, उससे हमारी सेहत बिगड़ रही है। देखिए अब देश वासियोंको अपनी जुबान से ज्यादा अपनी सेहत पर तो ध्यान देना ही होगा। वह तब ही संभव है जब हमछोटे और मोटे अनाज को अपने भोजन का हिस्सा बनाने लगेंगे। अब इस लिहाज से देरी करने का समयनहीं रह गया है। देरी से नुकसान ही होगा। देरी छोड़िये, अपना स्वास्थ्य सुधारिये!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैंकि भारत छोटे और मोटे अनाज का वैश्विक केंद्र बने और छोटे और मोटे अनाज को 'जन आंदोलन' का रूप दिया जाए। बेशक, भारत दुनिया को छोटे और मोटे अनाज के लाभ बताने-समझाने मेंअहम भूमिका निभा रहा है। हमारे देश में एशिया का लगभग 80 प्रतिशत और विश्व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है। चूँकि, यह असिंचित भूमि पर आसानी से हो सकता है अतः यदि इसकी विश्व में मांग बढ़ेगी तो भारत में इसकी पैदावार कई गुना बढाई जा सकती है। अभी तो गरीब किसान खुद के खाने भर ही मोटे अनाज को उगाते हैं। जब उनका मोटा अनाज बाज़ार में बिकने लगेगा तो वे क्यों न अपना उत्पादन बढ़ाएंगे ? एक अनुमान के मुताबिक, 100 से अधिक देशों में मोटेअनाज की खेती होती है। आपको बुजुर्ग बता सकते हैं कि मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदों आदि) पहले खूब खाया जाता था। हम आज गेहूं के आटा के आदी हो चुके हैं या बना दिये गये हैं, तो मिलेट्स और गेहूं का आटा मिलाकर भी खा सकते हैं। अगर हम गेहूं के साथ कई तरह केअनाज या चने आदि को पिसवा लें तो मल्टिग्रेन आटा बन जाता है। जैसे गेहूं मेंप्रोटीन कम होता है लेकिन चने में ज्यादा। मिस्सी रोटी भी ऐसे ही तैयारहोती है। वह छोटे या मोटे अनाज जैसा पुष्टिकारक तो नहीं, पर गेहूँ और चावल से बेहतर तो है ही क पारंपरिक तौर पर दाल-चावल, दाल-रोटी की जोड़ी भी ऐसी है, जिसमें अलग-अलग तरह के एमिनो एसिड होते हैं जो एक-दूसरे की कमी दूर करते हैं। गेहूं की एलर्जी सेबचने के लिए अनाज को बदल-बदलकर खाना चाहिए।

देश के उत्तरी राज्यों में जब जाड़े का मौसम चल रहा होता तब मोटा और छोटा अनाज खाना बेहद मुफीद रहता है। ठंड के दिनों में शरीर को गर्म रखने में भोजन कीअहम भूमिका रहती है। छोटा और मोटा अनाज खाने से जाड़े से बचाव होता है। इसलिए जाड़े के दिनों में छोटा और मोटा अनाजअवश्य खाना चाहिए। जैसा कि हम जानते हैं मोटे अनाज में जौ, बाजरा, मक्का मडुआ या रागी आदि शामिलहोता है। इस अनाज की तासीर गर्म होती है। ये शरीर में पहुंचकर पर्याप्त गर्माहट देते हैं। सर्दी में मोटा और छोटा अनाज खाने की सबसे बड़ी वजह यही है। इनमें कई तरह के पोषक तत्वहोते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं। उदाहरण के रूप में इनमें पाया जाने वाला भारी मात्रा में फायबर। यह पेट के लिएसबसे बेहतर है। छोटे और मोटे अनाज से आप दलिया, रोटी और डोसा आदि सबकुछ बना सकते हैं। बाजरे की रोटी और भात (चावल) या खिचड़ी भी खानपान में शामिल की जा सकती है।

एक बात को और जान लेना जरूरी है कि छोटे और मोटेअनाज की खेती में कम मेहनत लगती है और पानी की भी कम ही जरूरत नाम मात्र की होती है। यह ऐसा अन्न है जो बिना सिंचाई और बिना खाद और बगैर किसी कीटनाशक के पैदा किया जा सकता है। भारत की कुलकृषि योग्य भूमि में मात्र 25-30 फीसद ही सिंचित या अर्ध सिंचित है। अतः लगभग 70-80कृषिभूमि वैसे भी धान (चावल) या गेहूं नहीं उगा सकते। चावल (धान) और गेहूं के उगाने के लियेलगभग महीने में एकबार पूरे खेत को पानी से भरकर फ्लड इरीगेशन करना पडता है। इतनापानी अब बचा ही नहीं कि पीने के पानी को बोरिंग कर पम्पों से निकाल कर खेतों को भराजा सके। धान और गेहूं में भयंकर ढंग से रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोगकरना पडता है, जिससे इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा असर तो पड़ता ही है, जमीन बंजरहोती जाती है वह अलग। यह जानना जरुरी है कि एक किलो धान उगाने में 8000 लीटर एक किलो गेहूँ उगाने में 10,000 लीटर और एक किलो चीनी बनाने में 28,000 लीटर पानी की जरुरत होती है कजबकि एक किलो मोटा या छोटा अनाज उगाने में मात्र 150 से 300 लीटर ही पानी की जरुरत होती है क अतः आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना है तो मिलेट्स यानी छोटा अनाज या मोटा अनाज ही उगाने और खाने की जरुरत है कतभी पृथ्वी पर पर्यावरण का संतुलन रह सकता है क

एक बात समझनी होगी कि जब मोटा अनाज की मांग बढेगी तो बाजार मेंइनका दाम भी बढेगा क तभी असंचित भूमि वाले गरीब किसानों की आय भी बढेगी। कृषि विशेषज्ञ मानतेहैं किपूरे विश्व के छोटा और मोटा अनाज का बड़ा उत्पादक भारत है, इसलिए भारत के पास यहअनुपम अवसर है अपने मोटा अनाज का निर्यात तेजी से बढाने का। उस स्थिति में भारत काविदेशी मुद्रा का भंडार भरने लगेगा और गरीब किसानों का पेट भी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

भावना, शोषण और त्रासदी

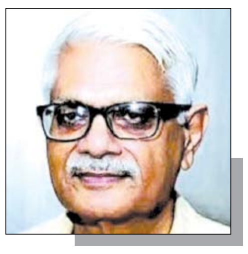

गिरीश्वर मिश्र

आज के जटिल तनावों के बीच साधारण आदमी मन की शांति भी चाहता है और अपनी तमन्नाओं को फलीभूत भी करना चाहता है। इन दोनों कामनाओं की पूर्ति के लिए वह भटकता रहता है। उस मनस्थिति में अगर कोई उठ कर हाथ थामने का स्वाँग भी भरे तो बड़ी राहत मिलती है। कुछ ऐसा ही हुआ जब भक्ति, समर्पण और जीवन में उत्कर्ष की आकांक्षा लिए निष्ठा के साथ इकट्ठा हुए श्रद्धालु भक्तों के हुजूम के बीच अचानक हुई भगदड़ के दौरान बीती दो जुलाई को सवा सौ लोगों को असमय ही अपनी जानें गंवानी पड़ी और बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए। यह विचलित कर देने वाला दुखद हादसा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर हाथरस के एक गांव में हुआ। यह मानवीय त्रासदी जनता, धर्म गुरुओं, उपदेशकों और जन-व्यवस्था के लिए ज़िम्मेदार सरकार सब के सामने कई तरह के सवाल छेड़ गई। आज इक्कीसवीं सदी के ज्ञान युग में विकसित भारत का दम भरने वाले, विश्व की तीसरी अर्थ व्यवस्था का सपना संजोने वाले हम सब को विचार के लिए बाध्य कर रही है। हमें सोचना होगा और व्यवस्था में सुधार लाना होगा। सामाजिक स्तर पर मानसिकता में सुधार की भी गुंजाइश है। राजनीतिक और सामाजिक विमर्श में तर्क, वैज्ञानिक बोध और आध्यात्मिकता के महत्व की अनदेखी नहीं की जा सकती। सब कुछ धन सम्पदा और अर्थ से ही नही चलेगा झ न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः। हम सब मानव स्वभाव की रीति-नीति और उतार चढ़ाव को विस्मृत नहीं कर सकते।

इस भीषण दुर्घटना के नायक सूरजपाल सिंह जाटव उर्फ़ परमात्मा भोले बाबा नारायण साकार हरि नामक शख़्स है। अब तक मीडिया में आई जानकारी के अनुसार यह एक भूतपूर्व सजायाफ़्ता पुलिस कर्मी और वर्तमान में स्वघोषित और स्वयंभू धर्म गुरु हैं जो जनता के आध्यात्मिक मार्ग दर्शक बन कर लोकोपकार में जुटे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जातियों और ग़रीबों के बीच उनहोने उद्धारकर्ता के रूप में अपनी अच्छी ख़ासी मसीहाई क़रिश्मे की छवि बना ली है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, और उत्तराखंड में इस बाबा की आवाजाही है। वहाँ पर उनकी अच्छी पैठ बन चुकी है। भोली-भाली गरीब जनता में प्रसिद्धि फैली हुई है कि साकार हरि के आश्रमों में लगे हैंड पम्प से निकलने वाला पानी अनेकानेक रोगों की दवा है। इसी तरह उनकी चरण-धूलि की भी प्रसिद्धि है। उसे स्वास्थ्यवर्धक, कल्याणकारी और विघ्न विनाशक घोषित किया गया है । आज एटा, मैनपुरी, कासगंज तथा आगरा आदि कई स्थानों पर भोले बाबा के आश्रम बन गए जहां उसके अनुयायियों ने गुरु के लिए सर्वसुविधासम्पन्न आलीशान व्यवस्था बना दी है। स्वयं साकार हरि सफ़ेद सूट धारण करते हैं और आधुनिक रुचि की वस्तुओं के शौक़ीन हैं। अपनी भव्य प्रस्तुति में वह ईश्वरीय सत्ता को उपस्थित करते हैं और अधर्म के नाश को अपना उद्देश्य बताते हैं। आम जनता में वे भोले बाबा के रूप में विख्यात हैं।

प्राप्त सूचना के अनुसार हाथरस में घटनास्थल पर भोले बाबा का प्रवचन और सत्संग चल रहा था। मौक़े पर पुलिस भी थी और कुछ सरकारी अधिकारी भी थे, पर एकत्र हो गए जन समूह के आकार के हिसाब से इनकी संख्या बहुत कम थी। इस समागम में दो लाख से भी अधिक लोग दिव्य सत्संग का लाभ उठाने के लिए उपस्थित हुए थे, हालाँकि सूचना के मुताबिक़ मुख्य सेवादार ने इस कार्यक्रम में सिर्फ़ अस्सी हज़ार लोगों के उपस्थित होने के लिए ही सरकारी स्वीकृति ली थी। भक्तों में प्रचारित मान्यता के अनुरूप वहाँ जुटी विशाल भीड़ परमात्मा जिस पथ पर चलते हुए आगे गए थे उस पथ पर फैली-पसरी पवित्र और चमत्कारी चरण-रज इकट्ठा करने के लिए व्यग्र हो गई और दौड़ पड़ी। लोग चल पड़े और अपर्याप्त व्यवस्था के चलते उमड़ती भीड़ के आग सब कुछ बेक़ाबू होता गया। बाबा के शरीर-रक्षकों के साथ वहाँ उपस्थित कुछ भक्तों और अनुयायियों के बीच हाथापाई हुई। भीड़-भड़क्का अनियंत्रित होता गया और अव्यवस्था का दायरा बढ़ता गया और तभी लोगों में भगदड़ मच गई। सब कुछ बेलगाम अनियंत्रित होता गया। बताया जाता है कि हाई वे से नीचे लगे खेत में लोग एक दूसरे पर गिरते रहे और कुचले जाते रहे। वे गिरने और कुचले जाने के अलावे कुछ न कर सकने की स्थिति में थे। मृतकों में महिलाओं और बच्चों की संख्या अधिक है । इन (सबसे बेख़बर!) या इस घटना क्रम को दर किनार करते हुए बाबा अपनी मोटर गाड़ी में बैठ आगे चल दिए थे। बाबा के राजनीतिक सम्पर्क हैं। वे एफ आइ आर में दर्ज नहीं हैं न ही अभी तक उनका कोई पता है।वे फ़रार हैं और कहीं भूमिगत हैं और उन पर कोई कारवाई नहीं हो सकी है। कुछ सेवादार ज़रूर पकड़े गए हैं।

एक गाँव में दो ढाई लाख की भीड़ का जुटना और वहाँ सत्संग में जमे रहना लोगों के सामाजिक और मानसिक गतिकी की तरह भी इशारा करता है। निश्चय ही उत्साह, उमंग, जिज्ञासा और अपना जीवन संवारने की अभिलाषा भीड़ के उमड़ने में ख़ास कारण रही होगी। भीड़ में पहुँच कर सचेत व्यक्ति भीड़ के अचेतन व्यक्तित्व में समा जाता है, वह स्वतंत्र व्यक्ति नहीं रह जाता। भीड़ को सबसे अस्थिर और अस्थायी समूह कहा जा सकता है। भीड़ तकनीकी दृष्टि से मूलतः असंगठित होती है परंतु उसमें आने वाले लोगों में आयु, रुचि, क्षेत्र, भाषा तथा व्यवसाय आदि में समानता होती है। भौतिक निकटता का भी बड़ा असर होता है। भीड़ में लोगों के बीच आपस में रिश्ता भी जल्दी बनता है और टूटता भी है। अक़्सर समान या साझे की रुचि लोगों को एक दूसरे के निकट लाती है और भीड़ का हिस्सा बनने में मददगार होती है। भीड़ में पहुँच सभी व्यक्तियों के भाव और विचार की धारा एक ही दिशा में बहने लगती है। इसलिए जब भीड़ जुटती है तो एक संक्रामक स्थिति बन जाती है। तब एक उत्तेजना उठती है और लोगों के बीच एक क़रिश्मे की पारस्परिक सहानुभूति का प्रसार और विस्तार शुरू हो जाता है। लोगों की भावनाओं के लक्षण और अभिव्यक्ति में एक सामूहिक प्रभाव झलकता है। व्यक्ति के अपने निजी तर्क की जगह सामूहिक तर्क चलने लगता है। एक हद तक अदूरदर्शिता आ जाती है। आगे का कुछ सूझता नहीं है। तब आदमी में बुद्धि की जगह संवेदना और घोर भावात्मकता काम करने लगती है।

भीड़ में आ कर निजी या व्यक्तिगत विशेषताएँ खो जाती हैं। लोग अक़्सर अपने मित्रों और परिचितों के साथ ही जमावड़ों में जाते हैं। ऐसे में निजी स्व (सेल्फ़) पिछड़ जाता है और सामाजिक पहचान ज़्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। भीड़ में आकर 'मैं' की जगह 'हम' का बोध प्रबल हो कर काम करने लगता है। भीड़ के बीच उसका हिस्सा होने के बाद लोग अपने को भुला कर समूह के मानकों, मूल्यों और व्यवहार रूपों को अपनाने लगते हैं। सभी जुट जाते हैं और ध्येय एक होने से सभी एक ही चीज़ को पाने के लिए उद्यत रहते हैं। इस सबके चलते भीड़ अत्यंत शक्तिशाली हो उठती है।

निजी मोबाईल कंपनियों को मिली लूट की छूट?

तनवीर जाफरी

जिस समय लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ताकत व सामर्थ्य से सरकार चलाने व जनकल्याण सम्बन्धी अनेक दावे व वादे कर रहे थे उस समय देश की जियो रिलायंस, एयरटेल व वोडाफोन आइडिया जैसी तीन सबसे बड़ी कम्पनियाँ भारतवर्ष के लगभग 109 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ताओं पर 34,824 करोड़ रुपए वार्षिक का आर्थिक बोझ डालने का फैसला कर चुकी थीं। इन कंपनियों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये मोबाइल शुल्क को बढ़ाते हुए अब बढ़ी कीमतों के साथ नए प्लान बाज़ार में उतारे गए हैं। इस बढ़े हुये टैरिफ के बाद अब ग्राहकों पर मोबाइल टैरिफ पर होने पर वाला उनका खर्च औसतन 15 प्रतिशत और बढ़ गया है। गौरतलब है कि देश के कुल लगभग 119 करोड़ में से 109 करोड़ सेल फोन उपभोक्ता केवल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन का मोबाईल कनेक्शन प्रयोग करते हैं जबकि शेष दस करोड़ उपभोक्ताओं में बीएसएनएल व अन्य छोटी क्षेत्रीय स्तर की कई कम्पनीज़ हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने व एन डी ए का तीसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद इन कंपनियों द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से मोबाइल फोन उपभोक्ताओं को यह सोचने के लिये मजबूर करता है कि क्या रेट बढ़ाने के लिये यह कम्पनियाँ चुनाव समाप्त होने की प्रतीक्षा में थीं? और यह भी कि चुनाव पूर्व इन कंपनियों द्वारा अपने टैरिफ में बढ़ोतरी इसलिये नहीं की गयी ताकि सत्ता को 109 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना न करना पड़े? गौरतलब है कि भारतीय मोबाईल बाज़ार में इस समय रिलायंस जियो के पास लगभग 48 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि एयरटेल के पास करीब 39 करोड़ तथा वोडाफोन आइडिया के पास 22 करोड़ 37 लाख मोबाईल फोन उपभोक्ता हैं। तीनों ही कम्पनीज़ ने पूरे आपसी तालमेल के साथ केवल एक एक दिन के अंतराल पर कीमतों में इज़ाफा किया। जैसे रिलायंस जियो ने 27 जून को अपने रेट 12 प्रतिशत से 27 प्रतिशत तक बढ़ाये तो एयरटेल ने 28 जून को 11 से 21 प्रतिशत रेट बढ़ाये इसी तरह 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने औसतन लगभग 16 प्रतिशत रेट बढ़ा दिये। विपक्ष का सीधा आरोप है कि यह कंपनियों अपनी मनमानी करते हुये अपने हिसाब से फोन दर बढ़ा रही हैं और उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाल रही हैं। एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के अनुसार केवल मोबाईल फोन टेरिफ चार्ज बढ़ाने से देश में मुद्रा स्फ़ीति की दर में 0.02% की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। इसका

ज़िम्मेदार आखिर कौन होगा? इसी बीच दूरसंचार मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर एक तरह से टेलीकॉम कंपनियों का बचाव करते हुये यह कहा गया है कि 'टैरिफ की दर टेलीकॉम कंपनियां डिमांड एंड सप्लाई के आधार पर निर्धारित करती हैं। ये कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर रही हैं और इस निवेश को फाइनेंस करने के लिए ही टैरिफ बढ़ाने जैसे फैसले लिए जाते हैं'। दरअसल भारत में टैरिफ सम्बन्धी फैसले भारतीय दूर संचार नियामक प्राधिकरण ळफ्ळ्ड़क गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए कंपनियां करती हैं। सरकार स्वतंत्र बाज़ार के फैसलों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है। खबरों के अनुसार पिछले दिनों इन टेलीकॉम कंपनियों द्वारा देश में ग्राहकों को 5 जी नेटवर्क की सुविधा देने के लिए तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश किया गया है। अब ग्राहकों को 5जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए 71 फीसदी ज़्यादा शुल्क देना होगा। जबकि आंकड़ों के अनुसार यदि 5 जी सुविधा देने के बदले यही कम्पनीज़ 15 से 17 फीसदी प्रति उपभोक्ता औसतन शुल्क भी बढ़ाती हैं तो भी उन्हें अपनी लागत वापस मिल जायेगी। परन्तु सवाल यह है कि पूंजीपतियों के हितों का ध्यान रखने वाली सरकारें बढ़ चढ़कर उपभोक्ता हितों की केवल बातें तो करती हैं परन्तु या तो यह पूजीपतियों के हक में फैसले करती हैं या उनके द्वारा उठाये गये इसतरह के मनमानी फैसलों पर न केवल खामोश रहती हैं बल्कि उन्हीं के पक्ष में कई तर्क भी दे डालती हैं। उपरोक्त तीनों निजी कंपनियों द्वारा शुल्क दर बढ़ाने के बाद खबरें यह भी आ रही हैं कि इन कम्पनीज़ के तमाम उपभोक्ता इन्हें छोड़ अब बीएसएनएल का कनेक्शन ले रहे हैं। निजी मोबाईल द्वारा रिचार्ज टैरिफ बढ़ाए जाने के बाद बीएसएनएल ने भी प्रतिस्पर्द्धा में छलांग लगाते हुये तत्काल एक सस्ता और किफायती टैरिफ प्लान भी पेश किया है। साथ ही बीएसएनएल की ओर से यह घोषणा भी की गयी है कि कंपनी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में 10 हज़ार 4जी टॉवर लगाये हैं। इस घोषणा के बाद संभावना है कि बीएसएनएल जल्द ही 4जी सर्विस शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि बीएसएनएल ने अप्रैल महीने तक देश भर में लगभग 3500 टॉवर स्थापित किए थे जोकि अब इस महीने यानी जुलाई तक 10 हज़ार तक पहुंच गए हैं।

यह वही बीएसएनएल है जो सभी मूलभूत सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद केवल सरकारी निष्क्रियता व अवहेलना के चलते निजी क्षेत्र की कम्पनीज़ से लगातार पिछड़ता जा रहा था और ठीक इसके विपरीत निजी कम्पनीज़ सरकारी संरक्षण में फल फूल रही थीं। यहाँ तक कि निजी कम्पनीज़ द्वारा पूरे देश में बीएसएनएल के अनेक टावर्स भी इस्तेमाल किये जा रहे थे। याद कीजिये जिस दिन जियो रिलायंस की शुरुआत हुई थी उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र कम्पनी द्वारा देशभर के अखबारों के मुख्य पृष्ठ पर अपने विज्ञापन में इस्तेमाल किया गया था जिसपर काफी बवाल मचा था। बहरहाल अब इन निजी कम्पनीज़ द्वारा मनमानी तरीके से शुल्क बढ़ाये जाने के बाद जिस तरह ग्राहकों में बीएसएनएल में 'घर वापसी' की होड़ मची है उसे देखकर बीएसएनएल के दिन फिरने की उम्मीद तो जगी ही है। साथ ही इन तीनों निजी कम्पनीज़ से ग्राहकों का मोह भांग होने के बाद इनके भी होश ठिकाने लगेंगे तभी ग्राहकों के साथ की जाने वाली इनकी व इन जैसी दूसरे क्षेत्रों की अन्य निजी कम्पनीज़ की मनमानी पर भी नियंत्रण लग सकेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया राजपुरोहित छात्रावास का विधिवत एवं भव्य उद्घाटन, कहा

अच्छी शिक्षा से युवा बनें आत्मनिर्भर व बेहतर जीवन जीने का मार्ग अपनाये

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति और समाज के विकास का मुख्य आधार है। शिक्षा से ज्ञान प्राप्त कर कौशल का विकास होता है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा वर्ग भारत का भविष्य है, अच्छी शिक्षा हासिल कर वह राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएं। शर्मा ने रविवार को जयपुर में संतजनों की उपस्थिति में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं छात्रावास परिसर का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए

उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस छात्रावास का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और सामाजिक सरोकार की सच्ची मिसाल है। यह छात्रावास युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावास में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी साथ रहते हैं, जिससे बेहतर संवाद स्थापित होता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

युवाओं के सपने तोड़ने वाले बख्शें नहीं जायेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। पेपर लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति को राज्य के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए इस वर्ष लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में करियर निर्माण में मार्गदर्शन देने के लिए प्रदेश के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ने कहा हाकि कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस लक्ष्य को युवा अपने आत्मबल, समर्पण और शक्ति से हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए नागरिक कर्तव्यों का पालन करें एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं। शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए एक पेड़ अवश्य लगाए।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

बहुचर्चित देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के तीन और आरोपियों को दबोचा

चमकता राजस्थान

तीन साल फरार 13 आरोपियों में से 7 को मात्र 10 दिन में पकड़ा, 25-25 हजार के इनामी है आरोपी

जयपुर (खलील कुरैशी)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले के कामां थाना इलाके में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के तीन और आरोपियों को पकड़ लिया है। तीनों आरोपियों पर एसपी डीग द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। 3 साल से फरार चल रहे तेरह आरोपियों में से सात को पिछले 10 दिनों में एजीटीएफ ने पकड़ कामां पुलिस के सुपुर्द किया है अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्याप्रकाश के नेतृत्व में वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हैड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई हैडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को टीम को मिली सूचना पर एसपी डीग राजेश मीणा के समन्वय व एसएचओ कामां मनीष शर्मा मय टीम के सहयोग से 25-25 हजार के इनामी आरोपी बनवारी गुर्जर पुत्र रामपाल, रामेश्वर गुर्जर पुत्र चेतराम एवं भगत सिंह गुर्जर पुत्र नेतराम निवासी मुल्लाका को कस्बा कामां से पकड़ा गया एमएन ने बताया कि 11 जून 2021 की सुबह खरीदारी करने बाइक लेकर कामां के लिए निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की जिसमे तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले दम तोड़ दिया।मामले में थाना पुलिस द्वारा पूर्व में आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया था। घटना के बाद से ही 13 आरोपी फरार चल रहे थे। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया।मामले में एजीटीएफ ने 26 जून को पलवल से आरोपी राम अवतार गुर्जर एवं थाना खोह से बबलू गुर्जर को तथा 4 जुलाई को कैथवाड़ा के पास से बलराज गुर्जर व रामप्रसाद गुर्जर को डिटेन किया गया था। मात्र 10 दिनों के अंदर एजीटीएफ ने घटना में फरार सात आरोपियों को पकड़ लिया है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हैड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका रही। कार्रवाई में एसएचओ कामां मनीष शर्मा मय टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

न्यूट अपडेट

नुक्कड़ नाटक व रैली निकाल कर मदरसे में नामांकन बढ़ाने का किया प्रयास

चमकता राजस्थान, जयपुर/झुंझुनूं.(खलील कुरैशी)। राजस्थान मदरसा बोर्ड द्वारा संचालित मदरसे में नामांकन बढाने के लिए मदरसे मुफीदुल इस्लाम के शिक्षा अनुदेशक घर-घर सर्वे कर मदरसे में नामांकन बढाने में जुटे है। मदरसे के शिक्षा अनुदेशक 'मदरसा चलो अभियान' के तहत शिक्षा अनुदेशक मोहल्ला चेजारान, बडा मोहल्ला, खोरा मोहल्ला, मोहल्ला खत्रीयान ,व आजम नगर सहित अन्यत्र मोहल्ला मे डोर टू डोर सर्वे कर मदरसे में नामांकन बढाने का प्रयास कर रहे। शिक्षा अनुदेशक अब्दुल हमीद खान व वसीम कुरैशी ने जानकारी देते हुए बताया कि घर-घर जाकर मदरसे कि व्यवस्था पोषाहार, निशुल्क पाठय पुस्तक, निशुल्क छात्र-छात्राओं की ड्रेस आदि के बारे में अभिभावकों को बता रहे हैं। साथ ही मदरसे में शिक्षा का स्तर की भी जानकारी दे रहे हैं। जिससें मदरसे में नामांकन में वृद्धि हो। इस दौरान शिक्षा अनुदेशक फारुक सौलंकी ने बताया कि मदरसा मुफीदुल इस्लाम ने एक नवाचार करते हुए नुक्कड़ नाटक सभा व रैली निकाल कर आमजन को शिक्षा प्रति जागरूक कर मदरसे में नामांकन बढाने का संदेश दिया। इस दौरान मदरसा की शिक्षा अनुदेशक अकीला बानों, समीरा बानो, अब्दुल हमीद खान, रुखसार बानों, वसीम कुरैशी व फारुक सौलंकी सहित आदि ने घर-घर दस्तक देकर मदरसे में दाखिला करवाने का आग्रह किया।

जोन-12 में तीन अवैध निर्माणाधीन विलाओं पर करी प्रभावी कार्रवाई

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जोन-12 प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 07.07.2024 को ग्राम निमेडा में गैर अनुमोदित योजना जानकी विहार में जविप्रा की बिना अनुमति व स्वीकृति के कृषि भूमि पर 3 अवैध विलाओ के निर्माण किये जाने पर धारा 32,33 जविप्रा एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नही हटाये जाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34-क का नोटिस जारी कर आज दिनांक 07.07.2024 को उक्त अवैध विलाओ के प्रवेश द्वारो इत्यादि को ईंजीनियरिंग शाखा की मदद से गेटो पर सील चपडी लगाकर पुख्ता सिलिंग की कार्यवाही की गई। जविप्रा द्वारा सिलिंग में हुये व्यय-खर्ज की नियमानुसार सबंधित से वसूली की जावेगी।उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ता, लेबर/गार्ड, जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

पचलंगी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान, उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में शनिवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण अभियानराजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचलंगी में वृक्षारोपण महाअभियान के तहत विद्यालय में छात्र-छात्राओं व समस्त विद्यालय स्टाफ ने मिलकर विद्यालय परिसर में 150 विभिन्न प्रकार के पेड़ - पौधे लगाए। विद्यालय की प्रधानाचार्या स्नेहलता ने छात्र-छात्राओं को पेड़ों के महत्व के बारे में बताया। समस्त विद्यालय स्टाफ व सभी छात्र छात्राओं ने अपने माता-पिता के नाम से पेड़ लगाए। साथ ही प्रधानाचार्या स्नेहलता ने भी अपने माता-पिता के नाम से पेड़ लगाए। प्रधानाचार्या सहीत सभी ने पेड़ पौधों की सुरक्षा व पानी डालने की जिम्मेदारी भी ली है। प्रत्येक कार्मिक ने 5-5 पेड़ लगाए है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट मामले में 2 साल से फरार 10 हजार का इनामी पकड़ाया

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी में चित्तौड़गढ़ जिले के थाना मंगलवाड में करीब 2 साल से वांछित 10 हजार के इनामी तस्कर प्रकाश सहारण पुत्र दयाराम निवासी बूढ़े का ताला भलीसर थाना धोरीमन्ना को थाना शिव बाड़मेर क्षेत्र के फलसूंड तिराहे से डिटेन कर लिया अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ श्री विद्या प्रकाश के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल महेश सोमरा, नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, राकेश जाखड़, महावीर सिंह शेखावत, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार को वांछित अपराधियों व गैंगस्टर इत्यादि के बारे में

आसूचना संकलन के लिए उदयपुर व जोधपुर रेंज रवाना किया गया था। एडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को टीम के सदस्य हैड कांस्टेबल महेश सोमरा व महावीर सिंह शेखावत को इनामी आरोपी प्रकाश सहारण के बारे में सूचना मिली थी। इस पर टीम द्वारा सूचना को विकसित कर थाना शिव पुलिस के सहयोग से आरोपी को डिटेन किया गया। इसके बारे में चित्तौड़गढ़ जिले की मंगलवाड थाना पुलिस को सूचित कर दिया गया है।आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी बाड़मेर जिले में एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हुए हैं। चित्तौड़गढ़ एसपी द्वारा एनडीपीएस एक्ट के मामले में इस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है।एजीटीएफ के इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल महेश सोमरा व महावीर सिंह शेखावत की विशेष भूमिका तथा नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, राकेश जाखड़, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार की तकनीकी भूमिका रही। कार्रवाई में एसएचओ शिव सुमेर सिंह व कांस्टेबल नीम सिंह का भी सराहनीय योगदान रहा।

अधिक से अधिक पेड़ लगाकर करें धरती का श्रृंगार : शैतान सिंह

चमकता राजस्थान

उदयपुरवाटी ' (सुमेर सिंह राव)। कस्बे में चुंगी नंबर 3 के पास कुआं कानूहाला पर स्थित टैगोर फाउंडेशन स्कूल के प्रांगण में शनिवार को हरियालो राजस्थान के तहत वृक्षारोपण किया गया ' विद्यालय के डायरेक्टर शैतान सिंह टांक एवं एमडी सुनील कुमार सैनी उर्फ सोनू सर ने वृक्षारोपण के दौरान बताया कि अधिक से अधिक पेड़

लगाकर धरती का श्रृंगार करना चाहिए ' विद्यालय के एमडी सुनील कुमार सैनी उर्फ सोनू सैनी विद्यार्थियों को पेड़ों की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सोनू सैनी ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनमें रोज पानी डालने का संकल्प भी दिलवाया। इस दौरान क्रिएटिव प्ले स्कूल की डायरेक्टर मेंम सुश्री पायल सैनी, महेंद्र कुमार स्वामी (शास्त्री) उत्तम सर, सोनू सर, सुश्री चंचल वर्मा, सुश्री निशा सैनी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

हाईवे पर लूट की घटनाओं का दौसा पुलिस ने किया खुलासा

गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

दो देशी कट्टे, तीन जिंदा कारतूस, लूटी गई चार मोटरसाइकिल, सात मोबाइल, जेवर आदि बरामद

जयपुर/ दौसा, (खलील कुरैशी)। जिला की कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने साइबर सेल एवं डीएसटी के सहयोग से हाईवे पर लूट करने वाले गिरोह का खुलासा कर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने दो देशी कट्टे, तीन कारतूस, लूटी गई चार मोटरसाइकिल, सात मोबाइल, एक चांदी जैसी चैन, दो सोने जैसी बाली एवं लूटी गई बाइक की नंबर प्लेट जब्त की है एसपी रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हेमराज जाट पुत्र संजय सिंह (19) व सचिन जाटव पुत्र निरंजन (18) थाना नदबई, कृष्णकांत जाट पुत्र नवल सिंह (19) थाना भुसावर जिला भरतपुर एवं रवि जांगिड़ पुत्र रजनीश (22) थाना वजीरपुर जिला गंगापुर के रहने वाले हैं। आरोपी वारदात क्षेत्र के आसपास पढ़ाई के नाम पर कमरा किराए पर लेकर घटना को अंजाम देते हैं। अभी इनका कैश काउंटर या है मित्र लूटने का नया प्लान था।एसपी शर्मा ने बताया कि गणेशपुरा निवासी संजय ने रिपोर्ट दी की 30 जून की शाम करीब 7:30 बजे वह अपने दोस्त नरेंद्र प्रजापत के साथ सोमनाथ चौराहे पर गया था। दोनों अरुण मोटर्स के सामने बाइक पर बैठे थे। सूरजपुरा की तरफ से पैदल-पैदल आए दो अज्ञात लड़कों ने उनसे शराब का ठेका पूछा। फिर बातों में उलझा कर वह उन्हें साथ ले गए। हमारे पीछे उनके दो अन्य साथी भी आ गए। शराब लेकर गणेशपुरा रोड राजस्थान इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे झाड़ियां में ले गए। जहां उन्होंने उन दोनों का मोबाइल, बाइक, सोने की बाली व चांदी की चेन जबरन छीन ली। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जान शुरू की गई हाईवे पर हो रही लूट की घटनाओं का खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार अग्रवाल व सीओ रवि प्रकाश शर्मा के सुपरविजन एवं एसएचओ कोतवाली राजेन्द्र सैनी, प्रभारी डीएसटी चंद्रशेखर शर्मा व प्रभारी साइबर सेल प्रेम नारायण शर्मा के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा तकनीकी व परंपरागत संसाधनों का उपयोग करते हुए इन चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ में दौसा, अलवर, भरतपुर व जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में हाईवे पर लूट की 15 वारदातों का खुलासा हुआ है। थाना पुलिस की टीम से इनसे गहनता से पूछताछ कर रही है। जिनसे इनके साथियों एवं अन्य घटनाओं के बारे में खुलासा किया जाएगा।

विद्या भारती शिक्षा संस्था कोटा का प्रतिभा सम्मान समारोह

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : देवनानी

चमकता राजस्थान

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता, देश प्रेम एवं मूल्यों की शिक्षा देकर उनमें देश के लिए समर्पण का भाव उत्पन्न कर हम 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर सकेंगे। श्री देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। देश सक्षम नेतृत्व के हाथों में है। हमारी युवा पीढ़ी में तेरा वैभव अमर रहे माँ की सोच पैदा करेंगे तभी हमारी शिक्षा सार्थक होगी। हमें रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही संस्कारवान बनाने वाली शिक्षा देने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्या भारती में छात्र-छात्राओं को संस्कार दिए जाते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है। आंतकवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए आज विद्या भारती के संस्कार की आवश्यकता है। उन्होंने आव्हान किया कि यहां से निकले छात्र डॉक्टर-इंजीनियर बनकर गरीबों की सेवा करने का भाव रखें। स्वयं से पहले राष्ट्र व समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता दें और सब कुछ देश के लिए समर्पण करने का भाव लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़े प्राचार्य एवं आचार्य नन्हें बच्चों को तराश कर उन्हें संस्कारी बनाएं।

देवनानी ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मां के साथ जोड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने की मुहिम शुरू की गई है। इस मुहिम में सभी भागीदार बनें।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्या भारती में पढ़ने वाले विद्यार्थी यहां से ऐसे संस्कार लेकर जाएं कि वे पूरे विश्व में देश का नाम रोशन कर सकें। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का ध्येय शिक्षा के साथ-साथ विशिष्टता का भाव पैदा करना है। यहां से निकले छात्र राष्ट्र सेवा के भाव के साथ विविध क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा के तहत संचालित विभिन्न विद्यालयों में दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलन कोचिंग संस्थान के कार्यकारी निदेशक नवीन माहेश्वरी ने की। इस अवसर पर डॉ. संतोष आनंद सहित विद्या भारती संस्थान से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

भादरा नगर पालिकाध्यक्ष का उपचुनाव आज

दोनों ही खेमें अपनी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त पर किस करवट बैठेगा ऊंट ?

चमकता राजस्थान, जयपुर/भादरा (खलील कुरैशी)। भादरा नगर पालिका - उपचुनाव में पालिका अध्यक्ष का - चुनाव आज यानी सोमवार 8 जुलाई को होने जा रहा है। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी की तरफ से पूर्व नगर - पालिकाध्यक्ष की हाजी दाउद खा कुरैशी की पौत्री मुस्कान बानो कुरैशी - और भारतीय जनता पार्टी की तरफ से - वार्ड नंबर नो से निर्विरोध पार्षद - अनवर कुरैशी के मध्य सीधा - मुकाबला होगा। इस चुनाव में किस - किस करवट बैठेगा अभी तय नहीं है। - दोनों ही पार्टी के प्रत्याशी अपनी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। दोनों - खेमों के पार्षद बाड़ाबंदी में नजर बंद है। भाजपा की कमान विधायक - संजीव बेनीवाल संभाले हुए हैं तो - कांग्रेस पार्टी की कमान पूर्व विधायक - का. बलवान पुनिया संभाले हुवे है। यह - पालिकाध्यक्ष मुकाबला चाचा भतीजी के बीच में होने के कारण इसकी रोचकता अपने आप में चरम पर है।

एक नजर

स्प्रिचुअल वॉक : मंदिरों की संस्कृति की तरफ लौटने का आह्वान !

चमकता राजस्थान। जयपुर। देश के एकमात्र जयपुर के बड़ी चौपड़ पर स्थित श्री ब्रज निधि मंदिर में स्प्रिचुअल वॉक का आयोजन हुआ। इस दौरान मंदिरों की संस्कृति और सनातन धर्म की ओर वापस लौटने पर जोर दिया गया। योग गुरु ढाका राम सापकोटा ने कहा- मंदिरों में चलने वाली गुरुकुल व्यवस्था बंद हो गई है। उनकी जगह पश्चिमी स्कूली पद्धति ने ले ली। नई पीढ़ी को मंदिरों की संस्कृति की तरफ लौटना होगा। डॉ. सुनील दंढ ने कहा-लोग अपने पुराने संस्कारों को भूलते जा रहे, जिन्हें फिर से अपनाना होगा। वहीं डॉ. मुकेश गुप्ता ने कहा-प्रकृति और संस्कृति का गहरा संबंध है। पुराने पेड़ों की सार संभाल के साथ ही नए पौधे लगाने चाहिए। इस मौके पर डायबिटीज रोशनी एवं फिटयोग की ओर जलेबी चौक स्थित आनंद बिहारी मंदिर, श्री कल्कि मंदिर परिसर का भ्रमण कराया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम की बैठक हुई आयोजित

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह) राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम उप शाखा नदबई की कार्यकारिणी की बैठक जनूथर रोड स्थित लड्डू हनुमान जी मंदिर पर ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह जिलेदार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री यादव चंद लवानियाँ और जिला मंत्री अशोक कुमार लवानियाँ रहे। बैठक में शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश संगठन मंत्री यादव चंद लवानियाँ ने बताया कि सभी संवर्गों की डीपीसी करना, पारदर्शी स्थानांतरण करना, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त मानदेय, बीएलओ को गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखना, सभी संवंगों को चार एसीपी लाभदेय 7,14,21,28 वर्ष पूर्ण करने पर, शिक्षकों की ऑनलाइन निर्भरता को देखते हुए कक्षा कक्ष से बाहर आवश्यकता पड़ने पर फोन की अनुमति प्रदान करने, पीईईओ/यूसीईईओ०को०10 प्रतिशत अति० मानदेय, शिक्षकों के समस्त पदों को भरने सहित विभिन्न मुद्दों की मांग रखी गई। इसके साथ ही संगठन की सदस्य बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर ब्लॉक मंत्री अंकुर जिंदल,कोषाध्यक्ष कपिल लवानियाँ,रामविजय फौजदार, हनुमान गुर्जर,ललितेश लवानियाँ, राजीलाल सहित पदाधिकारी मौजूद थे।

बृहस्पति धाम मंदिर जयपुर का 15 वा पाटोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न

चमकता राजस्थान । जयपुर । राजस्थान के जयपुर शहर में बृहस्पति धाम मंदिर का पाटोत्सव का कार्यक्रम 7 जुलाई को सुबह 11बजे डालडा फैक्ट्री ओवर ब्रिज के आगे महारानी फार्म हाउस रोड पर स्थित बृहस्पति धाम मंदिर में प्रांगण में शुरू हुआ। पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बाबूलाल शर्मा ने बताया की हर साल आयोजित होने वाले इस आयोजन में विशाल संख्या में भक्तजन परिवार के साथ पधारे और बृहस्पति देव महाराज का दूध एवं जल से अभिषेक मंदिर के महंत श्री नरेंद्र शर्मा के द्वारा किया गया अभिषेक के बाद भक्तों को प्रसादी बैठकर कराई गई ।

बारिश के बाबजूद इस्कॉन मंदिर में ममता बनर्जी

विशेष संदेश के साथ रथ की रस्सी खींची

संवाददाता

कोलकाता। रथ यात्रा पर मुख्यमंत्री के बंधधारा कार्यक्रमों में से एक कोलकाता के इस्कॉन मंदिर में रथ की रस्सी खींचना है। इससे पहले कई बार उन्होंने दोपहर में रथ की रस्सी खींची और सभी को रथ यात्रा की बधाई दी। हालाँकि, इस वर्ष रथ यात्रा का आधिकारिक समय दोपहर है। 4 बजे तक जगन्नाथदेव पुरी से रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के घर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री ने दोपहर का इंतजार नहीं किया और कोलकाता के

मिंटो पार्क स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंच गईं। पूजा की शाखा हाथ में थी । मुख्यमंत्री के साथ उनकी भाभी और अभिषेक बनर्जी की मां लतादेवी भी थीं। उन्होंने इस्कॉन के साधु-संतों और पुजारियों से बातचीत कर पूजा-अर्चना की। फूल-मालाओं और दीपों से थाल सजाकर आरती भी की गई। रथ मिंटो पार्क स्थित इस्कॉन मंदिर से निकलता है और कोलकाता की विभिन्न सड़कों पर घूमता है। इस साल भी ब्रिगेड परेड ग्राउंड तक रथ यात्रा निकली हालांकि दोपहर में अचानक हुई बारिश ने इसे रोक दिया। इसके बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को इस्कॉन मंदिर पहुंचीं। उन्होंने लाल और सफेद रंग की साड़ी पहनी हुई थीं सुरक्षा गार्डों ने मुख्यमंत्री के सिर पर छाते रखे और उन्हें मंदिर तक पहुंचाया। मंदिर परिसर में घूमने और पूजा करने के दौरान भी उनके सिर पर छाता था। उनके साथ इस्कॉन के पुजारी भी थे। उन्होंने रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का शुभारम्भ किया। दीघा में पुरी की तर्ज पर बनने वाले जगन्नाथ मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, अगले साल से पहले इसे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा, मुख्यमंत्री ने पहले ही इस खुशखबरी की घोषणा कर दी थी। वहीं, रथ यात्रा के दिन मुख्यमंत्री ने इस्कॉन मंदिर से एक संक्षिप्त संदेश में कहा कि अगले साल धूमधाम से दीघा में रथ यात्रा निकाली जायेगी। इसके लिए उन्होंने सभी को पहले से ही आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, "अगले साल से हम दीघा में एक बड़ी रथ यात्रा करेंगे।

वज्रपात से महिला सहित दो लोगों की मौत

नवादा। बिहार के नवादा में तेज बारिश अब आफत बनती जा रही है। आकाशीय बिजली गिरने से कई लोगों की जान चली जा रही है। रविवार को वज्रपात के कारण दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं घटना के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। पहला मामला नवादा के पकरीबरावां प्रखंड के बरेवा बीघा गांव का है। जहां तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक की पहचान भागीरथ यादव के पुत्र 39 वर्षीय राजेश यादव के रूप में की गई है। राजेश यादव अपने घर के जानवर को लेकर जा रहे थे ।

बिहार के विकास के लिए कलाधर मंडल को जिताएं: चिराग पासवान

एजेंसी

पूर्णिया। पूर्णिया के रुपौली विधानसभा को लेकर एक बड़ी जनसभा रुपौली हाई स्कूल में हुई। इस जनसभा में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान तथा जीतन राम मांझी पहुंचे। इस जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि हमारी एनडीए की सरकार एक मजबूत तथा लगातार विकास करने वाली सरकार है। हम लोग मिलकर बिहार के विकास के लिए तत्पर हैं। इस चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी कलाधर मंडल जी को जिताकर यहां की बिहार सरकार तथा केंद्र सरकार को मजबूत करेंगे तो हमारा विकास का लक्ष्य आगे बढ़ सकेगा। इस मौके पर जीतन राम माझी ने कहा की विपक्षी लोग क्या काम करते हैं और क्या जंगल राज चलाते है यह सब को पता है जंगल राज से दूर रहने के लिए एनडीए की सरकार को मजबूत करना जरूरी है । हम लोग लगातार बिहार के विकास के बारे में सोचते हैं और विपक्ष के लोग बिहार के विनाश के बारे में सोचते हैं भ्रष्टाचार से दूर रहकर बिहार के लिए सभी लोग आगे बढ़े और रुपौली से कलाधर मंडल को तीर छप पर वोट देकर विजयी बनाएं ।

कीचड़ से सना बदहाल सड़क को लेकर सोनापुर बाजार में आक्रोशितों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

अररिया। जिले के नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के सोनापुर बाजार में कीचड़ से सना बथनाहा-सोनापुर बदहाल सड़क को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और सोनापुर बाजार में सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सोनापुर बाजार में बांस बल्ले से सड़क का घेराव कर लोगों के आवाजाही को ठप्प कर दिया और स्थानीय सांसद और विधायक पर छले जाने का आरोप लगाते हुए सांसद और विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की इतना ही नहीं कीचड़ से एकदम सने सड़क पर प्रदर्शनकारी लोगों ने धान का बिचड़ा लगाकर धान के फसल पौधे की रोपाई की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि स्थानीय सांसद और विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से लंबे अरसे सड़क निर्माण की मांग सोनापुर सहित अगल बगल दर्जनों गांव के लोग करते आ रहे हैं हर बार नेताओं के द्वारा आश्वासन की घुट्टी पीला दी जाती है लेकिन सड़क निर्माण को लेकर किसी तरह का समाधान नहीं निकलता है। प्रशासनिक उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैया के कारण सड़क की स्थिति इतनी जर्जर और दयनीय हो चुकी है कि इस पर पैदल चलना भी दुभर हो गया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि 2018 में इस सड़क का निर्माण मेंटेनेंस एंड रिपेयरिंग योजना के अंतर्गत डिफेक्टिव लायबिलिटी पीरियड के पांच वर्ष अनुरक्षण के तहत किया गया था,जिसके आरंभ की तिथि 15 जून 2018 और समाप्ति की तिथि 14 जून 2023 थी लेकिन इन पांच वर्षों में संवेदक या ग्रामीण कार्य विभाग के कोई भी अधिकारी या अभियंता सड़क के हालचाल लेने नहीं पहुंचे।

दक्षिण 24 परगना में व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में भीड़ की हिंसा का शिकार होकर मौत की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला दक्षिण 24 परगना के भांगड़ थाने के फूलबाड़ी इलाके की है। यहां चोरी की बढ़ती घटनाओं के चलते एक व्यक्ति को चोर समझकर लोगों ने पकड़ा और बांधकर इतनी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से उसे छुड़ाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम अजगर मोल्ला है, जो भांगड़ के फूलबाड़ी इलाके का निवासी था। चोरी की बढ़ती घटनाओं से पहरेदारी कर रहे थे लोग दरअसल भांगड़ बाजार इलाके में पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटनाएं बढ़ रही थीं। स्थानीय लोगों ने रात में पहरेदारी शुरू कर दी थी, लेकिन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही थीं। इससे लोग परेशान और नाराज थे। रविवार तड़के, सूर्योदय से पहले स्थानीय लोगों ने उक्त व्यक्ति को चोर समझकर पकड़ लिया। उसे पहले बांधकर रखा गया और फिर जमकर पिटाई की गई। उसे अचेत हालत में पड़े होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी।

क्या कहना है परिवार और पुलिस का?

मृतक के परिवार ने घटना को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और इलाके में शांति बनाए रखने की अपील की है। भांगड़ थाना कोलकाता पुलिस के अंतर्गत आता है। यह भी पता चला है कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कोशिश की, लेकिन मृतक के परिवार ने शव पुलिस को नहीं सौंपा है। उनकी तरफ से कोई शिकायत भी दर्ज नहीं की गई है। भांगड़ डिवीजन के डीसी सैकत घोष ने बताया कि पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। लगातार बढ़ रही हैं भीड़ द्वारा पिटाई की घटनाएं पिछले कुछ दिनों से कोलकाता और आसपास के इलाकों में भीड़ द्वारा पिटाई की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

मुस्लिम-यादव के घटते समर्थन से बौखलाया राजद : संजय ठाकुर

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगतानंद सिंह के उस बयान की कड़ी भर्त्सना की है, जिसमें उन्होंने जन सुराज को भाजपा की बी टीम बताया है। यह उनकी बौखलाहट है और विकृत मानसिकता का द्योतक भी। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता ठाकुर ने कहा है कि राजद में मुस्लिम और यादव की लगातार उपेक्षा से उनका मोहभंग होता जा रहा है,जिससे प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह बौखला गये है और अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। उन्होने कहा है कि जन सुराज के संस्थापक और पदयात्रा अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर की बढ़ती ताकत उनका चुनावी रणनीतिक दक्षता और उन्हें बिहार के सभी वर्गों का मिल रहा जन समर्थन से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव

के होश उड़ने लगे हैं। बिहार की जनता उनके पन्द्रह वर्षों के आतंक राज से परिचित है और काठ की हांडी दुबारा नहीं चढ़ने वाली है। मुस्लिम समाज अब यह समझ गये है कि उन्हें परिवारवादी राजद में न तो उचित सम्मान मिलने वाला है,न ही उनकी सरकार में कभी भागीदारी मिली और ना ही उनके समाज के लोगों को शिक्षित बनाया गया। राजद सुप्रीमो केवल अपने परिवार के लोगों को मजबूत किया और मुसलमान भाइयों को उसके अनुपात में टिकट ही नहीं दिया। यही कारण है कि आज बिहार विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या पहले की तुलना में काफी कम हो गयी है। राजद के परिवारवादी रवैए और अपनी लगातार उपेक्षा से परेशान बड़ी संख्या में यादव और मुस्लिम समुदाय के लोग जनसुराज जुड़ रहे है,जिससे राजद की जमीन खिसकती नजर आ रही है। उल्लेखनीय है,कि राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक पत्र जारी कर प्रशांत किशोर और जन सुराज को भाजपा की बी टीम बताया है ताकि राजद के कार्यकर्ता समाज में भ्रम और अफवाह फैला सके। श्री ठाकुर ने कहा है कि जन सुराज महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित है तथा बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के बनाये संविधान का संपोषक है। जन सुराज जन नायक कर्पूरी ठाकुर, डाक्टर राम मनोहर लोहिया, महात्मा ज्योतिराव फुले और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समाजवाद का पुरोधा है ऐसे में राजद का आरोप बेबुनियाद और क्षुद्र मानसिकता का परिचायक है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, एक घायल

जलपाईगुड़ी। राजगंज ब्लॉक के गाजलडोबा-फूलबाड़ी कैनाल रोड पर सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। मृतकों के नाम इंद्रजीत राय (21) और बप्पा राय (19) हैं। घायल युवक का नाम राजू राय (20) है। तीनों मंतादारी ग्राम पंचायत के रहने वाले है। घटना शनिवार देर रात सीतारास मंदिर से संलग्न इलाके में हुई है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, तीनों युवक साहूडांगी इलाके की एक फैक्ट्री में काम करते है। बीती रात तीनों बाइक से काम खत्म कर घर लौट रहे थे। तभी सीतारा कैनाल रोड पर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। जिसके बाद सड़क से गुजर रहे एक वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में इंद्रजीत और बप्पा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि राजू गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तीनों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया।

नेपाल में हो रही बारिश से पहाड़ी नदियों में उफान, रक्सौल शहर के कई मुहल्ले हुए जलमग्न

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। नेपाल में लगातार हो रही बारिश से बूढ़ी गंडक की सहायक पहाड़ी नदिया उफान पर है। तिलावे,बंगरी सरिसवा,दुधौरा समेत करीब दर्जन भर नदियों के जलस्तर में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की जा रही है।

जलग्रहण क्षेत्र में बारिश से पहाड़ से ढलकर पानी अब धीरे-धीरे भारत के मैदानी क्षेत्रों की ओर बढ रही है। लिहाजा बूढ़ी गंडक के जलस्तर में कल रात से लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि बूढ़ी गंडक लालबेगिया घाट पर निर्धारित खतरे के निशान 63.195मीटर से नीचे यानी 59.80 मीटर पर बह रही है। अगर बूढ़ी गंडक की सहायक नदियो के जलस्तर में इजाफा हुआ तो देर रात तक बूढ़ी गंडक के जलस्तर और वृद्धि हो सकती है। उल्लेखनीय है,कि नेपाल से सरिसवा नदा का पानी रक्सौल शहर के सुंदरपुर,अहिरवाटोला, इस्लामपुर सहित कई मुहल्लों में प्रवेश कर गया है। जिससे यहां जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है,लोगो को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल से मिली जानकारी के अनुसार यहां पिछले पांच दिनो से लगातार बारिश हो रही है ऐसे में कयास लगाया जा रहा है,कि बूढ़ी गंडक के जल स्तर बढ सकती है,ऐसे में जिले के रामगढ़वा, सुगौली, बंजरिया, मोतिहारी सदर के निचले क्षेत्र में बाढ़ पानी प्रवेश कर सकता है।

6000 दुर्लभ व जीर्ण पांडुलिपियों के संरक्षण की अद्भुत पहल

संवाददाता

कोलकाता। हावड़ा के एक प्राचीन संस्थान में उपलब्ध अति दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण एवं रख-रखाव कार्य के साथ-साथ उनका डिजिटाइजेशन भी शुरू किया गया है। पहले इस संस्थान में अनेक विद्वानों का आवागमन होता था और वहीं प्रसिद्ध पंडित भी एकत्रित होते थे किंतु अब इन सभी गतिविधियों का लगभग अंत हो चुका है, जिससे वहां उपस्थित इन प्राचीन पांडुलिपियों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। इन सभी संपदाओं को कई वर्षों तक सुरक्षित रखने हेतु भक्तिवेदांत रिसर्च सेंटर द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। कुछ पांडुलिपियां जो खराब हो रही हैं उन्हें संरक्षित किया जा रहा है और जो अच्छी

स्थिति में हैं उनका रख-रखाव किया जा रहा है। इसके साथ ही सभी पांडुलिपियों को डिजिटाइज करने का भी कार्य भी शुरू किया गया है ताकि वे सदा के लिए लुप्त न जाएं। भविष्य में शोधकर्ता इस अद्भुत पांडुलिपि संग्रहालय का उपयोग कर सकेंगे ऐसे अनुपम ध्येय के साथ भक्तिवेदांत रिसर्च सेंटर अथक रूप से कार्यरत है। इस काम की प्रगति की समीक्षा के लिए प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती, डीन डॉ. सुमंत रुद्र, संपादक डॉ. देवब्रत मुखोपाध्याय और पांडुलिपि विशेषज्ञ डॉ. रत्ना बसु शुक्रवार को हावड़ा स्थित संस्थान में उपस्थित थे। डॉ. देवब्रत मुखोपाध्याय ने कहा कि हावड़ा संस्कृत साहित्य समाज एक प्राचीन ग्रंथालय है, जिसका वर्तमान नाम बिजोयानाथ मुखोपाध्याय ग्रंथालय है। यहाँ रामायण और महाभारत के अलावा दर्शन, व्याकरण सहित विभिन्न विषयों पर लगभग छह हजार पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। यहां पूर्व संपादक नित्यानंद मुखोपाध्याय और संस्थापक संपादक बिजोयानाथ मुखोपाध्याय के अथक प्रयास से विभिन्न स्थानों से पुस्तकें एकत्रित की गई थी और उन्हें वर्तमान स्थान पर संरक्षित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इस संस्थान में नींव रखी थी। यहाँ महाभारत पर अर्जुन मिश्र की संपूर्ण टिप्पणी, जयदेव की रति शास्त्र जैसी कई दुर्लभ और अप्रकाशित पांडुलिपियां भी उपलब्ध है। डॉ. सुमंत रुद्र ने कहा कि वे एक शैक्षिक संस्थान के रूप में, लंबे समय से प्राचीन पांडुलिपियों की खोज, पुनर्मुद्रण, संरक्षण, डिजिटाइजेशन एवं अनुसंधान कार्यों में सक्रिय रहे हैं। बीआरसी पांडुलिपियों के संरक्षण में अग्रणी होकर प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती और डॉ. रत्ना बसु के नेतृत्व में यहां डिजिटाइजेशन का काम शुरू कर चुका है। एक सुपरवाइजर तथा दो तकनीकी टीमें स्कैनिंग के काम कार्य को देख रहा है। स्कैन की गई पांडुलिपियों को जहरीले और एसिड मुक्त आवरणों में रखा जा रहा है, साथ ही परंपरा के अनुसार उन्हें लाल कपड़े से लपेटा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को चुनौती देने के लिए महिला चेहरा तलाश रही बीजेपी

संवाददाता

कोलकाता। पश्चिमबंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को चुनौती देने के लिए बीजेपी सशक्त महिला चेहरा तलाश रही है। बालुरघाट से लगातार दूसरी बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री बनाया गया है, जिसके बाद वे आगे राज्य में पार्टी की कमान नहीं संभालेंगे। उनकी जगह बीजेपी एक सशक्त महिला नेत्री को लाने पर विचार कर रही है, जो ममता को चुनौती पेश कर सके। बता दें कि महिला होने के कारण ममता को बंगाल की आधी आबादी का भारी

समर्थन प्राप्त है। पिछले चुनाव के नतीजों में भी यह परिलक्षित हुआ है इसलिए अब बीजेपी राज्य में महिला को आगे रखकर ममता का सामना करना चाहती है। बंगाल बीजेपी अध्यक्ष की दौड़ में लाकेट चटर्जी व अग्निमित्रा पाल सबसे आगे बताई जा रही हैं। दोनों इससे पहले बीजेपी की राज्य महिला मोर्चा का नेतृत्व कर चुकी हैं और उनकी लड़ाकू नेत्री के तौर पर पहचान है। लाकेट पूर्व सांसद जबकि अग्निमित्रा वर्तमान विधायक हैं। देबश्री चौधरी का नाम भी सामने आ रहा है। दिलीप घोष के राज्य अध्यक्ष रहते देबश्री महासचिव का पदभार संभाल चुकी हैं। वह सांसद व केंद्रीय महिला व बाल विकास राज्य मंत्री भी रह चुकी हैं और संघ परिवार की करीबी बताई जाती हैं। एक और नाम मालती राभा राय का है, जो तृणमूल से आई विधायक हैं। मालती अपनी आक्रामकता के लिए परिचित हैं। विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी भी दौड़ में शामिल बताई जा रही थीं। लेकिन पार्टी सूत्रों के हवाले से खबर है कि वह व्यक्तिगत कारण बताकर पहले ही ऐसी कोई जिम्मेदारी लेने से इनकार कर चुकी हैं।

जैसे अयोध्या में बीजेपी को हराया वैसे मोदी को गुजरात में हराएंगे : राहुल गांधी

प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे : राहुल गांधी

कांग्रेस के हर कार्यकर्ता के लिए पार्टी का चिन्ह, अभय मुद्रा प्रेरणा है - डरो मत, डराओ मत।

गुजरात में हमारे नेता और बब्बर शेर कार्यकर्ता पूरी आत्मा से लड़ेंगे और बीजेपी को हराएंगे

अहमदाबाद/एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज गुजरात के अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी की दुखती रग पर भी हाथ रखा।

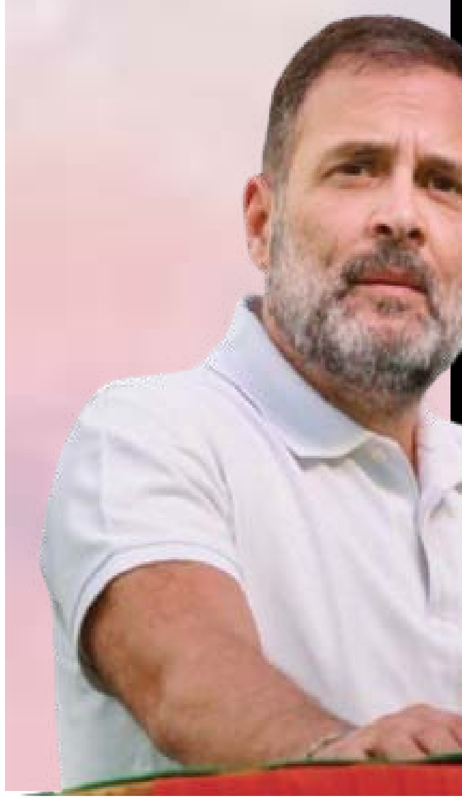

जैसे अयोध्या में बीजेपी को हराया वैसे गुजरात में मोदी को हराएंगे

सांसद राहुल गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी ने हमें धमकी देकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बता दूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को तोड़ने जा रहे हैं, जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेंद्र मोदी और भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।'

● कांग्रेस गुजरात से चुनाव जीतकर नई शुरुआत करेगी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव जीतेगी और यहीं से पार्टी फिर से एक नई शुरुआत करेगी। इसके साथ ही राहुल गांधी 2 जुलाई को अहमदाबाद के पालदी इलाके में कांग्रेस के राज्य मुख्यालय के बाहर कांग्रेस-भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प का जिक्र किया। अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'आने वाले विधानसभा चुनाव में हम सब एक साथ मिलकर उन्हें गुजरात में हराएंगे। हम गुजरात में नरेंद्र मोदी और बीजेपी को वैसे ही हराएंगे जैसे हमने उन्हें अयोध्या में हराया था।'

● प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे : राहुल गांधी

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे। राहुल ने कहा, 'मुझे अयोध्या के सांसद ने बताया कि नरेंद्र मोदी वाराणसी से नहीं, बल्कि अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे। अयोध्या में तीन बार सर्वे कराया गया, लेकिन सर्वे वालों ने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ेंगे तो हार जाएंगे और उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। इसलिए नरेंद्र मोदी वाराणसी से लड़े, लेकिन वहां से भी वो जान बचाकर निकले हैं।'

कुलगाम में भारी गोलीबारी के साथ मुठभेड़ शुरू, भारतीय सेना का एक जवान शहीद

कुलगाम/एजेंसी

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सुरक्षाबलों के साथ आतंकियों की मुठभेड़ शुरू हो गई है। दक्षिण कश्मीर के इस इलाके में भारी बारिश हो रही है। इसी बीच सुरक्षाबलों के आतंकियों के मोदरघम इलाके में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद भारतीय सेना, राष्ट्रीय राइफल्स, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस की एसटीएफ टीम के साथ सर्च आपरेशन शुरू कर दिया गया। सर्च आपरेशन के दौरान आंतकियों ने सुरक्षाबलों को अपनी तरफ बढ़ता देख गोलियां दागी और फिर इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया है। यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई है जब अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में बालटाल मार्ग पर पिछले शनिवार को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के कारण घाटी में कड़ी सुरक्षा है। मुठभेड़ कुलगाम के मोदरगाम गांव में उस समय शुरू हुई, जब आतंकवादियों के होने की सूचना प्राप्त होने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रही थीं। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सीएएसओ गोलीबारी में तब्दील हो गया, क्योंकि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम पर गोलीबारी हुई, शुरुआती गोलीबारी में एक सैनिक घायल हो गया। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त बलों को इलाके में भेजा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी घेराबंदी तोड़ने में कामयाब न हो सकें। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि बल अपना काम कर रहे हैं।

छोटी-मोटी गिरफ्तारियां कर सैकड़ों लोगों की मौत से जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है प्रशासन : अखिलेश यादव

लखनऊ/एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि अगर हाथरस में हुई भगदड़ की घटना में प्रशासनिक चूक से सबक नहीं लिया गया तो भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं और होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार भगदड़ की घटना में मामूली गिरफ्तारियां करके अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है। बता दें कि जिले के फुलरई गांव में 2 जुलाई को एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए।

● ये गिरफ्तारियां स्वयं में एक षड्यंत्र हैं: अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि 'ये गिरफ्तारियाँ स्वयं में एक षड्यंत्र हैं। इन गिरफ्तारियों की तुरंत न्यायिक जांच हो, जिससे उप्र की भाजपा सरकार का खेल जनता के सामने लाया जा सके। अगर भाजपा सरकार ये कहती है कि ऐसे आयोजन से उसका कोई लेना-देना नहीं था, तो फिर भाजपा सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक़ नहीं। इस कार्यक्रम में आये अधिकांश ग़रीब लोग दुखी, शोषित, पीड़ित, वंचित, दमित थे, इस आधार पर इसका मतलब तो ये भी निकलता है कि ऐसे लोगों से भाजपा सरकार का कोई सरोकार नहीं है। जबकि सबसे पहले सरकार का ध्यान ऐसे लोगों की तरफ़ ही जाना चाहिए।

● नाकामी छुपाने के लिए हो रही गिरफ्तारी: अखिलेश

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'उप्र शासन-प्रशासन 'हाथरस हादसे' में अपनी नाकामी छुपाने के लिए, छोटी-मोटी गिरफ्तारियाँ दिखाकर सैकड़ों लोगों की मौत से अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है। अगर ऐसा हुआ तो इसका मतलब ये निकलेगा कि इस तरह के आयोजन में हुई शासनिक-प्रशासनिक विफलता से किसी ने कोई सबक नहीं लिया और ऐसी दुर्घटनाएं भविष्य में भी दोहरायी जाती रहेंगी। शासन-प्रशासन किसी ख़ास मंशा से व्यर्थ में ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर रहा है, जो मूल आयोजन स्थल से दूर थे और गिरफ्तारी के बाद उनको ही दोषी ठहराये जाने की तैयारी कर रहा है।'

अब तक 7 विधायकों ने छोड़ा पार्टी का साथ, मुख्यमंत्री की मौजूदगी में थामा कांग्रेस का हाथ

हैदराबाद/एजेंसी

तेलंगाना की सत्ता हाथ से जाने के बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार को पार्टी को एक और झटका लगा। दरअसल, बीआरएस का एक और विधायक कांग्रेस में शामिल हो गया। इससे एक दिन पहले यानी की शुक्रवार को बीआरएस के विधान परिषद के छह सदस्य कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

● 7 महीने में 7 विधायकों ने छोड़ा पार्टी का साथ

कृष्ण मोहन पिछले साल दिसंबर में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने वाली बीआरएस के सातवें विधायक हैं, जो सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हुए हैं। अब 119 सदस्यीय विधानसभा में बीआरएस के 31 विधायक रह गए हैं। कांग्रेस पार्टी के विधायकों की संख्या अब 72 हो गई है। सात माह में राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बीआरएस के कई वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

लगातार सातवीं बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगीं निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली/एजेंसी

बजट सत्र की तारीखों का एलान हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 अगस्त को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

एक नजर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार सुबह उज्जैन के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परंपरा अनुसार पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर चहुँओर बड़ा ही हर्ष और आनंद का वातावरण हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूहेडा, विवेक जोशी, सत्यनारायण खोईवाल, संजय अग्रवाल और रवि शंकर वर्मा आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

यमुनानगर : हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़, तीन महिलाएं और एक गिरफ्तार

यमुनानगर। शहर थाना पुलिस ने हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से वसूली करने के एक गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन महिलाओं और एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चारों आरोपितों को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। रविवार को शहर यमुनानगर थाना प्रभारी जगदीश चंद ने बताया कि आरोपित उत्तर प्रदेश के पठेड निवासी विजय कुमार, सरदेहड़ी निवासी सोनिया त्यागी, सुघ माजरी निवासी निर्मला व आजादनगर कालोनी निवासी आरती को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपितों ने एक युवक को हनीट्रैप में फंसाया और उसकी वीडियो बनाकर 90 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कराए। उसकी शिकायत के बाद ही इस मामले का खुलासा हुआ। सदर जगाधरी थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक किसी काम से शुक्रवार को एक्टिवा से छछरौली गया था। जब वहां से लौट रहा था, तभी मानकपुर के पास आरती व निर्मला लिफ्ट लेकर उसके एक्टिवा पर बैठ गईं। बाद में समय बिताने के लिए युवतियां उसे अपने साथ आजादनगर कालोनी में एक मकान में लेकर गई।

कांवड़ मेला के दृष्टिगत चलाया सत्यापन अभियान

हरिद्वार। कांवड़ मेला के दृष्टिगत ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र के जटवाड़ा पुल के आस-पास झुग्गी झोपड़ियों, घास मंडी, बाल्मीकि बस्ती, सुभाष नगर के आसपास बस्तियों में जाकर सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान क्षेत्र में निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों तथा काम करने वाले लोगों का सत्यापन किया गया। लगभग 270 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। सत्यापन में करीब 35 लोग शुरू में अपने कागजात नहीं दिखा सके। बाद में उनके परिजनों द्वारा पहचान पत्र दिखाने पर उन्हें हिदायत देकर भेजा गया।

युवक को गोली मारने का एक आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार। नगर के हरिद्वार मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज के पास बीते दो जुलाई को एक युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दूसरे आरोपित की तलाश की जा रही है। लक्सर कोतवाली के बसेड़ी गांव निवासी परवेज ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि दो जुलाई को उसका पुत्र दानिश अपने पड़ोसी युवक आशु के साथ बाइक से सामान लेने लक्सर गया था। इसी दौरान जब हरिद्वार मार्ग पर ओवर ब्रिज से गुजर रहे थे, तभी वहां बाइक पर सवार होकर आए सावेज व अरमान निवासी पीपली कोतवाली लक्सर ने उनके बेटे दानिश को गोली मार दी। गोली दानिश के पेट में लगी।

विकास नगर में तीसरी बार धंसी सड़क

लखनऊ। लखनऊ में बारिश से सड़क के नीचे मिट्टी बह जाने की घटना से विकास नगर के सेक्टर दो में सड़क धंस गयी। बीते दो वर्षों में विकास नगर में सड़क धंसने की यह तीसरी घटना है। विकास नगर सेक्टर दो निवासी अजय ने बताया कि दिन के वक्त उनके आंखों के सामने सड़क नीचे की ओर धंसती गयी और कुछ ही मिनटों में वहां एक बड़ा सा गड्ढ़ा हो गया। सड़क धंसने के बाद वहां पुलिस बैरेकेटिंग लगा दी गई है। कुछ मिनटों के बाद नगर निगम, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फोन से सूचित किया गया।

खाई में गिरी कार, एक महिला की मौत

गोपेश्वर। चमोली जिले के कर्णप्रयाग-गैरसैण मोटर मार्ग पर आदिबद्री स्थित पेट्रोल पंप के निकट शनिवार देर रात्रि एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना में एक महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। कार में कुल पांच लोग सवार थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। कार में सवार लोग रुड़की में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने गांव कांसवा लौट रहे थे।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बीएसएफ रेंज क्षेत्र में किया वृक्षारोपण

ग्रीन सिटी में इंदौर बनेगा नम्बर वन : डॉ. यादव

इंदौर। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृह्द स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की याद में वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी माताजी स्व. लीलाबाई पूनमचंद यादव की स्मृति में बड का वृक्ष लगाया। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अपनी माताजी संतरा यादव की याद में आम का वृक्ष, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी अयोध्या देवी विजयवर्गीय की याद में आम का वृक्ष लगाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा का उद्गम इंदौर से है। 7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर ही है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। आज बीएसएफ रैंज में बडी संख्या में माताएं अपने बच्चों के साथ उपस्थित हुई और वृक्षारोपण किया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्य प्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। उन्होंने कहा इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को उजाड़ दिया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ देवी अहिल्या माता की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव रविवार को इंदौर पहुंचे। इंदौर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले देवी अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस अवसर पर रुद्राक्ष के पौधों का रोपण भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी ही खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में साढ़े 5 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह गर्व का विषय है कि इंदौर शहर और पूरे जिले में 51 लाख पौधे लगाए जाने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान एक जन अभियान का रूप ले रहा है। इसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता सामने आ रही है। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, गौरव रणदिवे, चिंटू वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे।

सहकारी आधार पर 400 से अधिक प्राकृतिक खेती सहकारी मंडलियां संचालित : सीएम

गांधीनगर। एजेंसी

102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शनिवार को गांधीनगर में ह्यसहकार से समृद्धिह्व कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और गुजरात के सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा सहित देशभर के सहकारी अग्रणी उपस्थित रहे। सहकारिता क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ बनाकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र करोड़ों भारतीयों के जीवन के साथ जुड़ा हुआ क्षेत्र है, जो नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगा।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने गुजरात सरकार के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सशक्त नेतृत्व में गुजरात सरकार ने किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की खरीदी पर 50 फीसदी की विशेष सहायता देने का अहम निर्णय किया है। पारंपरिक यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया और नैनो डीएपी (तरल) का उपयोग करने से यूरिया की खपत घटेगी, इससे फसल और जमीन की गुणवत्ता के साथ मानव स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। उन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग से होने वाले फायदों के संबंध में विस्तार से बताते हुए राज्य के हरेक किसान से नैनो यूरिया का उपयोग करने का प्रयास करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस की थीम-सहकारिता सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करती है है। देश भर में प्राथमिक सहकारी मंडलियों के आर्थिक सशक्तिकरण तथा सहकारी क्षेत्र को अद्यतन टेक्नोलॉजी युक्त बनाने के अनेक आयाम सफल हुए हैं। ग्राम पंचायत स्तर तक पैक्स और सहकारी मंडलियां संचालित हुई हैं। लगभग 93 हजार पैक्स केंद्रों का डिजिटल टेक्नोलॉजी के साथ मल्टीपर्पज सर्विस सेंटर के रूप में विकास किया गया है।

कांग्रेस में बचे हिंदू राहुल गांधी की हिंदू द्रोही मानसिकता से रहें सावधान : डॉ. सुरेंद्र जैन

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने रविवार को कहा कि कांग्रेस में बचे हिंदुओं को राहुल गांधी की हिंदू द्रोही मानसिकता से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के संबंध में राहुल गांधी का ताजा बयान झूठ का एक और पुलिंदा है तथा हिंदुओं के प्रति घृणा से भरा हुआ है। आडवाणी जी द्वारा निकाली गई रथ यात्रा का इस संपूर्ण संघर्ष में एक महत्वपूर्ण योगदान है। परंतु, राहुल का यह कहना कि राम जन्मभूमि का संघर्ष इस यात्रा (रथ यात्रा) से शुरू हुआ, उनकी अज्ञानता का परिचय देता है। विहिप के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डा. जैन ने बताया कि राम जन्मभूमि के लिए हिंदुओं का संघर्ष 1528 से ही शुरू हो गया था, जब आक्रांता बाबर ने राम

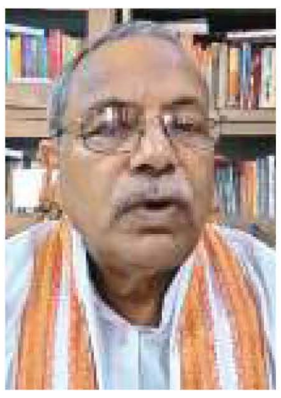

जन्मभूमि पर स्थित रामलला के पावन मंदिर को तोड़ा था। सुप्रीम कोर्ट के 2019 में निर्णय आने तक संपूर्ण देश के राम भक्त निरंतर संघर्षरत रहे।

डॉ. जैन ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने फिर एक बार अपमान किया है हिंदू समाज का, जिसने कभी विदेशी आक्रमणकारियों के समक्ष घुटने नहीं टेके। राहुल गांधी ने भुलाने का षड्यंत्र किया है गुरु नानक देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह जी के अमर योगदान को, जो अयोध्या पधारे थे। उनकी स्मृति में बने गुरुद्वारों में आज भी लाखों श्रद्धालु जाकर अपने आप को धन्य समझते हैं। राहुल गांधी ने अपमानित किया है, उन लाखों बलिदानियों को जिन्होंने राम जन्मभूमि को मुक्त करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। राहुल ने उन 60 करोड़ राम भक्तों के योगदान को भी अपमानित किया है, जिन्होंने राम जन्मभूमि के निर्माण के लिए खुले दिल से योगदान दिया था। महंत दिग्विजय नाथ, महंत अवैद्यनाथ, महंत रामचंद्र परमहंस, अशोक सिंघल जैसे महापुरुषों के योगदान को राहुल गांधी भुलाना चाहते हैं, जो कभी संभव नहीं है। इन सब के प्रति हिंदू समाज हमेशा कृतज्ञ रहेगा।

सकल प्रजनन दर में कमी आम आदमी की जागरुकता से ही संभव : भवतोष

गाजियाबाद। एजेंसी

देश को स्वस्थ व समृद्ध बनाने में परिवार नियोजन की अहम भूमिका है। सीमित संसाधनों के समुचित उपयोग की दृष्टि से भी सीमित परिवार के बड़े फायदे हैं। यह बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवतोष शंखधर ने कही। उन्होंने कहा कि इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए सकल प्रजनन दर कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में जनसंख्या स्थिरीकरण के तहत इसे 2.1 पर लाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रऐ हैं और यह आम आदमी की जागरुकता से ही सम्भव है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सकल प्रजनन दर में कमी लाने के उद्देश्य से ही इस साल के विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) का नारा दिया है-विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर

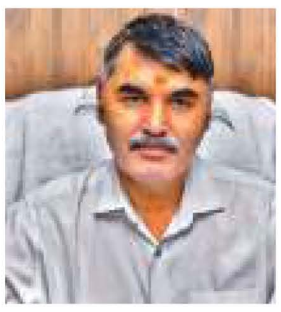

दम्पति की शान। इसके साथ ही इस विशेष दिवस की थीम- मां और बच्चे की सेहत के लिए गर्भधारण का सही समय और अंतर तय की गई है। इसके तहत परिवार कल्याण कार्यक्रमों को जन-जन तक पहंचाने और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एक महीने का विशेष अभियान प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। इसके तहत 10 जुलाई तक कम्युनिटी मोबिलाइजेशन पखवारा मनाया जा रहा है। इसके तहत सारथी वाहन के जरिए जिले से लेकर ब्लाक स्तर तक परिवार कल्याण कार्यक्रमों और परिवार नियोजन साधनों के प्रति जागरुकता लाई जा रही है। सास बेटा बहू सम्मेलन के माध्यम से परिवार नियोजन की उपयोगिता के बारे में समझाया जा रहा है और बच्चों के जन्म के बीच पर्याप्त अंतर रखने के फायदे समझाए जा रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया कैम्पेन के जरिये भी जागरुकता की अलख जगाई जा रही है। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से भी लक्ष्य दम्पति की बास्केट ऑफ च्वाइस के बारे में काउंसिलिंग की जा रही है।

इसके बाद 11 से 24 जुलाई तक सेवा प्रदायगी पखवारा चलाया जाएगा, जिसके जरिए लोगों को परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। पखवारे के दौरान सेवा प्रदाताओं के कठिन परिश्रम, नवाचारों आदि के लिए पुरस्कृत और सम्मानित भी किया जाएगा।

बारिश में भीगने और ठंड से नैनीताल में एक व्यक्ति की मौत

नैनीताल। नैनीताल में लगातार चार दिनों से बारिश हो रही है। भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस बीच बारिश में भीगने और ठंड से नगर में एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह किसी ने एक व्यक्ति को नगर पालिका के मॉल रोड स्थित पुस्तकालय की बेंच पर अचेत अवस्था में देखा तो पुलिस को सूचना दी। इस पर तल्लीताल थाने से उप निरीक्षक भावना बिष्ट एवं चीता मोबाइल आरक्षी अमित कम्बोज मौके पर पहुंचे और व्यक्ति को बीडी पांडे जिला चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 50 वर्षीय अजय पाल सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी तल्ला कृष्णापुर के रूप में हुई। बताया गया कि अजय मॉल रोड पर भुट्टे बेचता था। बीती रात्रि वह लगातार बारिश की वजह से घर नहीं जा पाया होगा और बारिश में भीगते हुए पुस्तकालय की बेंच पर सो गया होगा। बारिश में भीगने व ठंड के कारण उसकी मौत हो गयी होगी। हालांकि पुलिस के अनुसार मृत्यु का सही कारण पोस्टमॉर्टम में ही स्पष्ट होगा।

हाथरस मौत मामले में बड़ों को बचाने की हो रही कोशिश: माले

लखनऊ। एजेंसी

भाकपा (माले) ने कहा है कि हाथरस में भगदड़ से हुई 121 मौतों के मामले में जिम्मेदार बड़ों को बचाने की कोशिश हो रही है। दिखाने के लिए गिरफ्तारियां भी जारी हैं, मगर अभी तक न तो बाबा, न ही प्रशासन के जिम्मेदार किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई या गिरफ्तारी हुई है। पार्टी के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि हाथरस जिला प्रशासन जो खुद जांच की जद में है, मामले पर लीपापोती की कोशिश में लगा है। जांच को गलत दिशा में ले जाने और भ्रम फैलाने की कोशिश हो रही है, ताकि असल गुनहगार बचाये जा सकें। जिला पुलिस प्रमुख बयान दे रहे हैं कि आयोजन के पीछे कुछ सियासी दलों का हाथ हो सकता है। जबकि मूल मसला शासन-प्रशासन की लापरवाही और विफलता का है, जिसकी वजह से इतनी मौतें हुईं। लाखों लोगों की

उपस्थिति वाले कार्यक्रम की अधिकारियों ने जानबूझकर अनदेखी की। न तो भीड़ प्रबंधन के उपाय किये गए, न ही एम्बुलेंस, डॉक्टर व इलाज का प्रबंध किया गया। अगर मुस्तैदी दिखाई गई होती, तो कई जानें बचाई जा सकती थीं।

माले राज्य सचिव ने कहा कि बाबा का एफआईआर में नाम तक नहीं है। मुख्य सचिव, डीजीपी और यहां तक कि मुख्यमंत्री का भी दौरा हो चुका है, लेकिन एसपी-डीएम का बाल तक बांका नहीं हुआ, जिनकी जवाबदेही पहले बनती है। नाममात्र का मुआवजा देकर और भगदड़ के पीछे षड्यंत्र की बात कर सरकार मृतकों के परिवारों के शोक व गुस्से को शांत और खुद की।

आस्था

ओडिशा के लिए बड़ा उत्सव है रथयात्रा का महोत्सव

जगन्नाथ मंदिर में विशेष रस्म के साथ निकाली गई रथ यात्रा

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज रविवार को रथयात्रा धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए। जगन्नाथ मंदिर में विशेष रस्म के साथ रथ यात्रा निकाली गई है। रथ यात्रा शुरू करने से पहले भगवान की प्रतिमा को रथ तक लाया गया और रास्ते को सोने के झाड़ू से साफ भी किया गया । इस रस्म को छेरापहरा रस्म कहा जाता है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी प्रदेशवासियों को रथयात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। महाप्रभु

> ● महाप्रभु जगन्नाथ जितने ओडिशा के लोगों को प्रिय हैं, उतने ही छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्रिय हैं

जगन्नाथ जितने ओडिशा के लोगों को प्रिय हैं, उतने ही छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्रिय हैं, और उनकी जितनी कृपा ओडिशा पर रही है, उतनी ही कृपा छत्तीसगढ़ पर रही है। श्री साय ने कहा कि, भगवान जगन्नाथ किसानों के रक्षक हैं। उन्हीं की कृपा से बारिश होती है। उन्हीं की कृपा से धान की बालियों में दूध भरता है। और उन्हीं की कृपा से किसानों के घर समृद्धि आती है। मैं भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि इस साल भी छत्तीसगढ़ में भरपूर फसल हो। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा से मेरी प्रार्थना है कि वे हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमें शांति, समृद्धि और खुशहाली की ओर अग्रसर करें। राजधानी रायपुर के गायत्री मंदिर में पुरी के जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर पुरानी परंपरा निभाई जाती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छेरापहरा की रस्म पूरी कर सोने की झाड़ू से बुहारी लगाकर रथ यात्रा की शुरूआत की। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रभु जगन्नाथ की प्रतिमा को रथ तक लेकर गए। रथ यात्रा के लिए भारत में ओडिशा राज्य को जाना जाता है। ओडिशा का पड़ोसी राज्य होने के नाते छत्तीसगढ़ में भी इसका काफी बड़ा प्रभाव है।

मुख्यमंत्री साय ने स्थानीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर दिया जोर

रायपुर। एजेंसी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ राजधानी रायपुर के बजाय राज्य के सुदूर सीमावर्ती जशपुर जिले के आदिवासी बहुल गांव बगिया से करके न सिर्फ वर्षो से चली आ रही परंपरा को बदला है बल्कि इसके माध्यम से उन्होंने राज्य के सुदूर कोने तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर शनिवार की शाम को बगिया और बंदरचुआ के स्कूल को मॉडल स्कूल बनाने तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक आवासीय विद्यालय

बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस मौक पर एक पेड़ मां के नाम रोपित कर राज्यव्यापी वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की और लोगों से पौध रोपण के इस महायज्ञ में सहभागी बनने की भी अपील की। राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में बालिका शिक्षा का बढ़ावा देने का संदेश दिया और स्कूली बालिकाओं को साइकिल प्रदान करके यह सुनिश्चित किया कि बालिकाओं को स्कूल आने जाने में किसी भी तरह का व्यवधान न आए और आगे की शिक्षा हासिल कर सकें। मुख्यमंत्री ने जशपुर सरकारी स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब्स में से एक में रोबोटिक्स मॉडल विकसित करने वाले छात्र से बातचीत की। उन्होंने इस सुदूरवर्ती जिले में किये गये व्यावसायिक शिक्षा कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के लिए कौशल और व्यावसायिक शिक्षा जरूरी है।

एक नजर

विनेश ने जीता ग्रां प्री ऑफ स्पेन का खिताब

मैड्रिड। पेरिस ओलंपिक 2024 से भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट ने एक बार फिर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्पेन में आयोजित ग्रैंड प्रिक्स कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग का खिताब जीत लिया हैं। विनेश ने शनिवार देर रात खेले गये टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में इंडिविजुअल नेचुरल एथलीट मारिया तिउमेरेकोवा को 10-5 से हराया। शुरुआती मुकाबले में विनेश ने मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को 12-4 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद भारतीय पहलवान ने क्वार्टरफाइनल में राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स को हराया। सेमीफाइनल में कनाडा की कैटी डचक को 9-4 से शिकस्त दी थी। उल्लेखनीय है कि विनेश स्पेन के मैड्रिड में प्रशिक्षण ले रही। विनेश फोगाट मैड्रिड में अपने प्रशिक्षण कार्यकाल के बाद फ्रांस के बोलोग्ने सुर-मेर के लिए रवाना होंगी। दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस 2024ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इंडियन ऑयल पंजाब सब जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट शुरू

जालंधर। रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में रविवार को इंडियन ऑयल पंजाब सब-जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन मेजर डा. अमित महाजन (पीसीएस), एडीसी,जालंधर द्वारा किया गया। डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव एवं पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी रितिन खन्ना ने बताया कि यह टूर्नामेंट 10 जुलाई तक चलेगा। इसमें 20 जिलों के 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर 15 और अंडर 17 आयु वर्ग के 10 इवेंट्स हो रहे हैं जिसमे एकल, युगल व मिश्रित कैटेगरी शामिल हैं। टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय खेल कंपनी विक्टर की शटल का प्रयोग किया जा रहा है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया से प्रमाणित रवि चौहान को पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन ने इस चैंपियनशिप के लिए मैच कंट्रोलर नियुक्त किया है। टूर्नामेंट का शुभारम्भ करने के बाद खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए एडीसी मेजर डा. अमित महाजन ने कहा खेलने से छात्रों को अपने आत्म-सम्मान, सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास में सुधार करने में मदद मिलती है। खेल बच्चों को समय प्रबंधन और अनुशासन के बारे में भी सिखाता है। इसके अलावा, यह छात्रों को तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पर रहेंगी हॉकी टीम की नजरें : हरमनप्रीत

- कांस्य पदक जीतने के बाद खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा था
- हरमनप्रीत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम पेरिस ओलंपिक में जीत के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछली बार टीम ने कांस्य जीता था पर इस बार उसका लक्ष्य स्वर्ण जीतकर देशवासियों को खुशी का अवसर देना है। हरमनप्रीत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था। उन्होंने कहा कि तब कांस्य पदक जीतने के बाद खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा था।

ऐसे में इस बार भी टीम जीत के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। उन्होंने कहा, पदक जीतने का अहसास कभी नहीं भुलाया जा सकता। साथ ही कहा कि टीम में जो नये खिलाड़ी आयें हैं, हम उनके साथ अपना अनुभव बांटते हैं और उन्हें बताते हैं कि ओलंपिक पदक जीतना आसान नहीं होता, ऐसे में खिलाड़ियों को भी अंदाजा होता है कि उन्हें और भी बेहतर करना होगा। उन्होंने कहा एक कप्तान के तौर पर वह मैदान पर रहने का प्रयास करते हैं जिससे अन्य खिलाड़ी भी दबाव में आये बिना प्रेरित रहें। इस खिलाड़ी ने अपने करियर में दो सौ से अधिक मैच खेलकर करीब 188 गोल किये हैं।

पिछले ओलंपिक में उन्होंने में छह गोल किये थे और अब यही सिलसिला वह पेरिस में भी इसे जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि टीम अभ्यास सत्र में सभी क्षेत्रों में सुधार कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में हमने शीर्ष टीमों के खिलाफ बेहतर तरीके से खेला है हालांकि प्रो लीग में हमारा प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा था।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की मेजबानी के लिए तैयार है पीसीबीः नकवी

कराची। एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इस बार उनका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की टीमों उनके यहां दौरे पर आयेंगी और बोर्ड इन मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है। पीसीबी ने कहा कि उनकी टीम इस सत्र में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज सहित नौ टेस्ट, 14 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। साथ ही कहा कि इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम होंगे। इंग्लैंड की टीम अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए पाक पहुंचेगी। इसके अलावा बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीमें भी पाक का दौरा करेंगी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, ह्यइन सीरीजों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की मेजबानी को लेकर बीच हुई आशंकाएं भी समाप्त हो जाएंगी। पीसीबी ने अपने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश की टीम रावलपिंडी में 21 से 25 अगस्त और कराची में 30 अगस्त से तीन सितंबर तक दो टेस्ट खेलेगी और अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरूआत करेगा। इसका समापन नौ मार्च को प्रस्तावित आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी 2025 फाइनल से होगा। पाकिस्तान का मुकाबला तीन टेस्ट में इंग्लैंड से होगा ये मुकाबले मुल्तान में सात से 11 अक्टूबर, कराची में 15 से 19 अक्टूबर और रावलपिंडी में 24 से 28 अक्टूबर तक खेले जाएंगे जबकि वेस्टइंडीज कराची में 16 से 20 जनवरी और मुल्तान में 24 से 28 जनवरी को दो टेस्ट मैचों के लिए दौरा करेगी।

पाकिस्तान चैंपियंस ने भारतीय चैंपियंस को 68 रनों से हराया

नई दिल्ली। एजेंसी

इंग्लैंड में हो रहे वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस ने भारतीय चैंपियंस को 68 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंडिया चैंपियंस के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैच में पाकिस्तानी चैंपियंस की तरफ से बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए उसके तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए और 243 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में इंडिया चैंपियंस की टीम सिर्फ 175 रन बना सकी।

भारत की शुरूआत अच्छी रही। भारतीय टीम ने 5 ओवर में 1 विकेट खोकर 51 रन बनाए लेकिन उसके बाद टीम बैकफुट पर नजर आई। भारत की ओर से सबसे ज्यादा सुरेश रैना ने 40 गेंदों में 4 चौके व 2 छक्के के साथ 52 रन जड़े। अंबाती रायुडू ने 39, रॉबिन उथप्पा ने 22, युवराज सिंह ने 14, इरफान पठान ने 15 और अनुरीत सिंह ने नाबाद 20 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए वहाब रियाज और शोएब मलिक ने अच्छी गेंदबाजी की। इन दोनों ही गेंदबाजों ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए।

सोहेल खान और सोहेल तनवीर के खाते में 1-1 विकेट आया। इससे पहले पाकिस्तान चैंपियंस के लिए कामरान अकमल और शरजील खान ने तूफानी शुरूआत दी। दोनों प्लेयर्स ने ताबड़तोड़ अंदाज में रनों की बरसात कर दी। कामरान ने 40 गेंदों में 77 रन और शरजील ने 30 गेंदों में 72 रन बनाए। इसके बाद आए शोएब मकसूद ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों में 51 रन बनाए। शोएब मलिक ने 25 रनों का योगदान दिया।

रेसलर जॉन सीना ने डब्लूडब्लूई से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली। डब्लूडब्लूई इतिहास के महान रेसलर की फेहरिस्त में शामिल जॉन सीना ने संन्यास की घोषणा की है। वे अगले साल 2925 में आखिरी बार डब्लूडब्लूई के रिंग में उतरेंगे। इस खबर से उनके चाहने वालों में मायूसी है। कनाडा के टोरंटो में आयोजित डब्लूडब्लूई मनी इन द बैंक के लाइव मैच के दौरान जॉन सीना ने अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। डब्लूडब्लूई की तरफ से इसका एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया है जिसमें उनके चाहने वालों ने मायूसी का इजहार किया है। उल्लेखनीय है कि जॉन सीना ने 16 बार विश्व खिताब जीता है। 47वर्षीय जॉन सीना ने 2001 में रेसलिंग की दुनिया में कदम रखा था। डब्लूडब्लूई से अनुबंध मिलने के बाद उन्होंने लगातार जबर्दस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2018 में अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा और कई हॉलिवुड फिल्मों में नजर आए।

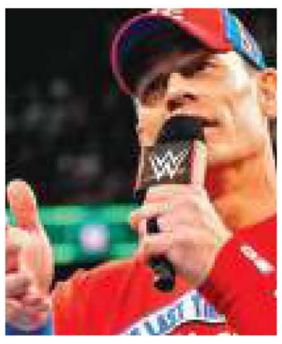

पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 में निशा व अर्जुन बाबूटा करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

- अर्जुन ने 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर देश का परचम फहराया है

जयपुर। एजेंसी

भारतीय रेल खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। ओलंपिक गेम्स पेरिस-2024 में भारतीय रेलवे के खिलाड़ी भी देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। रेलवे में खिलाड़ियों की भर्ती नियमित आधार पर की जाती है तथा विभिन्न खेल आयोजनों के लिए रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड द्वारा स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के आयोजन किए जाते हैं।

अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे के दिशा निदेर्शानुसार खेलों और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और मनोबल को बढ़ाने के लिए अनेकों कार्य किए जा रहे हैं इसी क्रम में हाल ही में उत्तर पश्चिम रेलवे पर विशेष प्रतिभा वाले खिलाड़ियों की नियुक्ति भी की गई है इन खिलाड़ियों को टैलेंट स्काउटिंग कोटा के तहत बिना ट्रायल के नियुक्ति प्रदान की गई है। इसी चयनित प्रक्रिया के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे में नियुक्त निशा, कुश्ती प्लेयर तथा अर्जुन बाबूटा, निशानेबाज पेरिस में आयोजित ओलंपिक गेम्स 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार निशा, कुश्ती प्लेयर को बीकानेर मंडल में टैलेंट स्काउटिंग कोटा के तहत टिकट परीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

निशा ने 2021 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर, 2022-23 में एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर तथा 2021-24 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में तीन गोल्ड व एक सिल्वर मैडल प्राप्त किया है। इसके साथ ही अर्जुन बाबूटा, निशानेबाज (शूटिंग प्लेयर) को सीनियर क्लर्क के पद पर अजमेर मंडल में टैलेंट स्काउटिंग कोटा के तहत नियुक्त किया गया है। अर्जुन ने कोरिया में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर देश का परचम फहराया है। निशा, कुश्ती प्लेयर तथा अर्जुन बाबूटा, निशानेबाज को पेरिस में आयोजित ओलंपिक गेम्स 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सभी ने हार्दिक बधाई दी है तथा ओलंपिक गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है। रेलवे खेलों में प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनको सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाता है जिससे खिलाड़ी अपने खेलों के माध्यम से देश का नाम गौरवान्वित करने में सफल हो।

घरेलू क्रिकेट सत्र सितंबर में शुरू होगा

मुम्बई। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी। रणजी ट्रॉफी पहली बार दो भागों में खेली जाएगी। घरेलू सत्र को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी हुई थीहै। जिसमें घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर भी बात हुई। इस बार रणजी ट्रॉफी होगी दो हिस्सों में खेली जाएगा। इससे उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और थकान से उबरने के लिए अधिक समय मिल लाएगा। इसी को लेकर बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से बात कर उनके विचार जाने। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी कहा गया, बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों के लिए तारीफ की गयी जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल रहे हैं।

तुर्की को हराकर नीदरलैंड सेमीफाइनल में

बर्लिन। एजेंसी

नीदरलैंड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तुर्की को 2-1 से हराकर यूरोकप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शनिवार देर रात खेले गये मैच के दूसरे हाफ में नीदरलैंड ने शानदान वापसी करते हुए तुर्की को 2-1 से हराकर पहली बार यूरोकप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विन्सेन्जो मोंटेला की अगुआई में तुर्की के समेट अकादिन ने शक्तिशाली हेडर से नीदरलैंड पर गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नीदरलैंड ने जवाबी हमला किया और (70वें) मिनट में स्टीफन डी व्रीज के शानदार गोल की बदौलत स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दबाव में कोडी गैकपो के क्रॉस को मर्ट मुलदुर ने (76वें) मिनट में अपने ही नेट में गेंद डालकर नीदरलैंड को 2-1 से जीत दिला दी।

प्रियांशु राजावत कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कैलगरी। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को कनाडा ओपन में पुरुष एकल के सेमीफाइनल मुकाबले में रविवार को फ्रांस के एलेक्स लैनियर से हार का सामना करना पड़ा। बैडमिंटन रैंकिंग में 39वें स्थान पर मौजूद प्रियांशु 45 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के एलेक्स लैनियर से सीधे गेम में 21-17, 21-10 से हार गए। इस हार के साथ टूनार्मेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम की शुरूआत प्रियांशु ने बढ़त के साथ की। लैनियर ने बराबरी हासिल करने के लिए वापसी की और फिर 7-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद दोनों खिलाड़ी एक-एक अंक के लिए बराबरी करते रहे और 16-16 के स्कोर तक बराबरी पर रहे। फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी ने इसके बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर 20-17 कर लिया और गेम पर नियंत्रण पा लिया। हालांकि प्रियांशु एक गेम प्वाइंट बचाने में सफल रहे, लेकिन वह पहले गेम में 21-17 से हार गए। दूसरा गेम एकतरफा साबित हुआ। प्रियांशु अपने प्रतिद्वंद्वी को टक्कर नहीं दे पाए और 19 वर्षीय एलेक्स लैनियर ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए शुरूआत में ही 14-3 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इस बढ़त को कम करना काफी मुश्किल साबित हुआ और लैनियर ने गेम को 21-10 से अपने नाम करते हुए पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली।

वाणिज्य

तिमाही नतीजों का घरेलू शेयर बाजार पर रहेगा असर

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की टिप्पणी से ब्याज दर में कटौती शुरू होने की एक बार फिर उम्मीद जगने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक चढ़े घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह वैश्विक रुख के साथ ही कंपनियों की पहली तिमाही के नतीजे का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 963.87 अंक अर्थात 1.22 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 79996.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 313.25 अंक यानी 1.3 प्रतिशत मजबूत होकर 24323.85 अंक हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली की रफ्तार अधिक तेज रही।

इससे मिडकैप 1279.5 अंक अर्थात 2.8 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 47437.85 अंक और स्मॉलकैप 2023.55 अंक यानी 3.9 प्रतिशत की उड़ान भरकर 54153.96 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, मानसून की प्रगति और आगामी केंद्रीय बजट से सभी के लिए और बेहतर होने की उम्मीद में घरेलू बाजार में तेजी बरकरार रही। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी पीसीई मुद्रास्फीति में कमी से सितंबर में फेड की ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अमेरिका में महंगाई का दबाव कम होने तथा 10-वर्षीय बांड यील्ड में उल्लेखनीय गिरावट के कारण आईटी और फार्मा जैसे क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

हालांकि बाजार अब कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम आने के सीजन में प्रवेश कर रहा है और अगले सप्ताह इसकी शुरूआत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस से होगी, इसलिए बेहतर नतीजों की उम्मीद है। निवेशक इस क्षेत्र के भविष्य के बारे में जानकारी के लिए कंपनी प्रबंधन की टिप्पणियों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वहीं, विदेशी बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, वित्तीय सेवाएं, दूरसंचार, ऑटो और बैंकिंग समेत तेरह समूहों में हुई बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 34.74 अंक फिसलकर 79,441.45 अंक और निफ्टी 18.10 अंक उतरकर 24,123.85 अंक रह गया।

पहली तिमाही की उम्मीदें मंद बनी हुई हैं

कुल मिलाकर पहली तिमाही की उम्मीदें मंद बनी हुई हैं लेकिन हाल के उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतक और रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लक्ष्य को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करना, पहली तिमाही के लिए 7.3 प्रतिशत का पूवार्नुमान तथा वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी, कमजोर कॉपोर्रेट परिणामों के पड़ने वाले असर की संभावना को कम कर सकते हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस वर्ष सितंबर से ब्याज दर में कटौती शुरू करने की एक बार से उम्मीद जगने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, आईटी, दूरसंचार, इंडस्ट्रियल्स और टेक समेत सत्रह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 443.46 अंक उछलकर 79,476.19 अंक और निफ्टी 131.35 अंक की बढ़त लेकर 24,141.95 अंक हो गया।

सर्राफा बाजार : सोना-चांदी में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में मजबूती दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 350 रुपये तथा चांदी 2200 रुपये बढ़कर बिकी। कारोबार की शुरूआत में सोना 72200 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 70750 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरूआत 88000 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 90200 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 72750 नीचे में 71950 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 90200 तथा नीचे 87600 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 2393 डॉलर तथा चांदी 3120 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.7 अरब डॉलर घटकर 651.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में जबरदस्त गिरावट आने से 28 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.7 अरब डॉलर कम होकर 651.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.3 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 572.9 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 42.7 करोड़ डॉलर कम होकर 56.53 अरब डॉलर पर आ गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.01 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 10 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 4.6 अरब डॉलर हो गया।

समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों में सम्मान से बढ़ता है हौसला,और आत्मविश्वास: फसीउद्दीन कुरैशी

ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश जयपुर की जानिब से आयोजित हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिक्षा परिणाम में 80% से अधिक अंक लाने वाले 250 मेधावी प्रतिभाओं को पुरस्कृत कर की गयी हौसला अफजाई

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजधानी जयपुर कर्बला मैदान स्थित हज हाउस में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरेश जयपुर की जानिब से दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिक्षा परिणाम में 80% से अधिक अंक लाने वाले 250 से ज्यादा मेधावी बच्चों को मोमेंटो व प्रतिष्ठा पत्र देकर के सम्मानित कर उनका हौसला अफजाई की गयी इस अवसर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया जमियत कुरैश के प्रदेशाध्यक्ष नईम कुरैशी इंडियाना, मुख्य अतिथि आदर्शनगर विधायक रफीक खान, एवं किशनपोल विधायक आमीन कागज़ी, विशिष्ट अतिथि जामा मस्जिद सदर शब्बीर कुरैशी मोहम्मदी, शिक्षा संकुल के डिप्टी डायरेक्टर एवं वरिष्ठ आर.ए.एस. अधिकारी मेहमूद अली खान ,अंजुमन तालीमुल मुस्लिमीन के जनरल सेक्रेटरी शब्बीर कारपेट,शौकत कुरैशी मुगल दरबार, मुन्ना कुरैशी होटल फ़िरोज़ रहे कार्यक्रम के संयोजक ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश जयपुर जिला अध्यक्ष फसीउद्दीन कुरैशी ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऑल इंडिया जमियतुल कुरैश जयपुर ने सकारात्मक पहल आरम्भ कर कुरैश समाज के जो प्रतिभावान छात्र-छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र अव्वल आ कर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं उनकी हौसला अफजाई की जाए जिससे समाज के अध्ययन और बच्चों को भी प्रेरणा मिल सके, समाज के बच्चों एजुकेशन का स्तर बढ़े, कुरैश समाज में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता आये इसी नेक मक़सद के तहत उन्हें एक मंच पर लाकर सम्मानित किया जाए और उनकी उनकी हौसला अफजाई की जाए।इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने भी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के महत्व को समझाया और समाज के चहुंमुखी सर्वांगीण विकास में शिक्षा अतिआवश्यक बताया, वर्तमान समय में शिक्षा से ही समाज की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक उन्नति संभव है पर फ़ोकस डाला

इस मौके पर जमियतुल कुरैश जयपुर के अध्यक्ष फसीउद्दीन कुरैशी, जनरल सेक्रेटरी जियाउद्दीन कुरैशी, युवा नेता समाजसेवी इरफान कुरैशी, एडवोकेट मुनाजिर इस्लाम कुरैशी, शहजाद कुरैशी हिंद टायर, डॉ रफीक कुरैशी, इमरान कुरैशी सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्तागण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, मीडियाकर्मी, बड़ी संख्या में मेधावी और प्रतिभावान विद्यार्थियों के परिजन और कुरैश बिरादरी के वरिष्ठ गणमान्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

होटल मेरियट में इंडिया गठबंधन के सांसदों का स्वागत समारोह 9को

चमकता राजस्थान। जयपुर, 07 जुलाई। कांग्रेस विधायक दल की बैठक राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व में 9जुलाई को होटल मेरियट में रखी गई है बैठक में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन तथा बाप के नवनिर्वाचित सांसदों का स्वागत भी किया जाएगा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि होटल मेरियट मे राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में सांय 4:00 बजे विधायक दल की बैठक होगी। जिसमें राजस्थान विधानसभा के आगामी बजट सत्र को लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा जनहित के मुद्दों को उठाने हेतु रणनीति तैयार होगी। बैठक के तत्पश्चात सांय 5:00 से 6:00 बजे तक नवनिर्वाचित विधायकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन होगा।

चतुर्वेदी ने बताया कि सांय 7:00 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता एवम प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व में गठबंधन के नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत किया जाएगा। सभी कार्यक्रम जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित होटल मेरियट में आयोजित होंगे।

बंशीवाल मानव सेवा समिति ने सांसद संजना जाटव का किया स्वागत

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) बंशीवाल मानव सेवा समिति ने भरतपुर सांसद संजना जाटव का अध्यक्ष हेमन्त बंशीवाल (पीरनगर वाले)वअमित कुमार कर्दम ने साफा एवं मिठाई खिलाकर पुष्प भेंट किए।अपनी संस्था के कार्यों से अवगत कराया और आगामी सर्व धर्म सर्व समाज सामुहिक विवाह सम्मेलन 15 जूलाई 2024 को अयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निमंत्रण दिया।

दीपक सोगरवाल ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) सामाजिक कार्यकर्ता दीपक सोगरवाल ने अपने जन्मदिन दिवस के उपलक्ष में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मड़ौली, सेवर,जिला भरतपुर वृक्ष रोपण किया और मौजूद में देवेंद्र प्रधानध्यापक, मंजू मैडम पूनम मैडम,राजकुमारी मैडम,पूजा मैडम आंगनवाड़ी,केशव सोगरवाल,हसमुखराज मेहरा, साथ रहे।

आगरा छावनी स्टेशन पर बिना टिकट/अनाधिकृत यात्रा करने वालों के विरूद्ध चलाया गया विशेष किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान

चमकता राजस्थान।

आगरा/ संवाददाता। मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के निर्देशानुसार व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अमित आनन्द के निर्देशन में बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु दिनांक- 06.07.2024 को आगरा छावनी स्टेशन पर व ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध किलाबंदी जाँच की गई । जांच के दौरान 49 बिना टिकट यात्रियों से रु-30190/- ,अनाधिकृत यात्रा करने वाले 28 यात्रियों से रु.- 12500/- तथा गंदगी फेलाने वाले 2 यात्रियों से रु.- 295/- सहित कुल 79 यात्रियों से रु.-42985 का जुर्माना वसूल किया गया ।जांच में सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग वीरेन्द्र सिंह के साथ दुर्गा प्रसाद डीसीआई व अन्य टिकट जांच कर्मचारी मौजूद रहे । जनसंपर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं । अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित यात्रा टिकट लेकर एवम निर्धारित सीमा से अधिक सामान को बुक कराकर ही यात्रा करे तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाए ।

सरपंच संघ राजस्थान ने 8 जुलाई को ग्राम पंचायतों में सांकेतिक ताला बंदी का किया आह्वान

चमकता राजस्थान

सत्यनारायण पारीक,अजमेर! सरपंच संघ राजस्थान के सरपंच शक्ति सिंह रावत के अनुसारआव्हान पर कल ग्राम पंचायतओ एक दिन की सांकेतिक ताला बंदी की जानी ह।सभी जिला अध्यक्षों , ब्लॉक अध्यक्ष,कार्यकारणी सदस्यों से निवेदन किया गया की ताला बंदी करके सभी दैनिक अखबार और मीडिया में देवे,जिससे सरकार का ध्यान आकर्षित हो,अगर कल सभी ग्राम पंचायतों में ताला बंदी हो गई तो मांगे जल्दी मानी जा सकती ह,सरपंच संघ 10 जुलाई को विधायक और उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन देंगे,12जुलाई की जिलास्तर पर सभी सरपंच संग जिला कलेक्टर को मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे, 5दिन का समय दिया जायेगा,फिर भी मांगो पर विचार नहीं किया गया तो 18जुलाई को विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में पद बढ़ाने के फेर में बढ़ायी गई डीपीसी की तारीख़ ?

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में आठ जुलाई को होने वाली डीपीसी की तारीख़ आगे बढ़ा दी गई है सूत्रों से पता चला है कि आरएसआरडीसी में अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं के तीन पद और अधीक्षण अभियंता के पाँच पद हैं,अधिकारी अतिरिक्त मुख्य अभियंता के तीन पद तथा अधीक्षण अभियंता के पाँच पद और बढ़ाना चाह रहे हैं,इसी के चलते डीपीसी की तारीख़ बढ़ायी गई है!

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने किया सामुदायिक भवन का उद्धघाटन अजमेर अराई व बोराडा में ग्रामीणों ने किया राज्य मंत्री चौधरी का स्वागत

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक ,श्रीनगर। रविवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी अराई एवं बोराडा क्षेत्र में पहुँचे।

ज्ञात रहे कि केंद्रीय राज्य मंत्री बनने के बाद श्री चौधरी का अराई क्षेत्र में यह पहला दौरा था, मंत्री के अराई बोराडा आने की सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं ने जगह जगह स्वागत कार्यक्रम रखें।

दोपहर अराई व बोराडा पहुँचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री का वहां के जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने अराई में राज्य मंत्री को तलवार भेंट कर 21 किलो की माला से जोरदार स्वागत किया। इसी तरह जगह जगह स्वागत कार्यक्रम किये गए।

वही ग्राम पंचायत डबरेला के ग्राम डबरेला में बिहारी जी के मंदिर के पीछे सार्वजनिक स्थान पर सांसद मद से 5 लाख रु की लागत से निर्मित हुए सामुदायिक भवन का केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने उद्धघाटन किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने कहा कि देश एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार है, अब डबल इंजन की सरकार बन गयी है, अब दुगुनी रफ्तार के साथ विकास करवाया जाएगा, विकास में कोई कमी नही आने देंगे, पिछली कांग्रेस सरकार ने जिस प्रकार जनता के साथ कुठाराघात करते हुए जनहित के विकास कार्यो को अटकाए रखा, लेकिन अब ऐसा नही होगा, अब प्रत्येक क्षेत्र में तेज गति से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल जी की सरकार राजस्थान के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुच सुनिश्चित करते हुए योजनाओं का लाभ दिलवाते हुए विकसित भारत विकसित राजस्थान की ओर बढ़ेंगे। देश मे तीसरी बार मोदी सरकार बनते ही सबसे पहले कोई कार्य हुआ है तो वो किसान के उत्थान के लिए हुआ, प्रधानमंत्री बनते ही मोदी जी ने सर्वप्रथम किसान सम्मान निधि की फाइल पर हस्ताक्षर किए, उसके बाद मोदी सरकार ने किसानों के सम्रद्धि के लिए एमएसपी की दरें बढ़ाकर किसान को सौगात दी है।

इस दौरान बोराडा मण्डल अध्यक्ष रामस्वरूप सुण्डा, अराई मण्डल अध्यक्ष रामसिंह राठौड़, डबरेला सरपंच श्री रामरतन चौधरी, उपसरपंच श्रीमती गुमान देवी गुर्जर, उपप्रधान श्री विष्णुदत्त शर्मा, जिला परिषद सदस्य श्री नाथू नुवाद, पंचायत समिति सदस्य श्रीमती मिट्ठू देवी सुण्डा, श्री सांवरलाल भदाला, श्री जगदीश चोयल सहित अनेक भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी मौजूद रहें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929